RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:143 ता. 25 नवम्बर 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केजरीवाल के इस्तीफे पर 'वोटिंग' का आगाज, कैसे बता सकते हैं आप अपनी राय

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यदि कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या फिर जेल से सरकार चलानी चाहिए? आम आदमी पार्टी (आप) शुक्रवार से दिल्ली में इस पर रायशुमारी का आगाज करने जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों कार्यकर्ता सम्मेलन में इसका ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि वह इस्तीफे को जूते की नोक पर रखते हैं, लेकिन फैसला दिल्ली की जनता से पूछने के बाद लिया जाएगा।

दिल्लीवाले कैसे दे सकते हैं अपनी राय?

आम आदमी पार्टी ने रायशुमारी के लिए इस बार कोई फोन नंबर या ईमेल आईडी जारी नहीं की है, बल्कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को घर-घर भेजने का फैसला किया है। डो-टू-डोर कैंपेन के अलावा नुक्कड़ सभाओं का भी आयोजन किया जाएगा। पार्टी के एक नेता ने बताया कि कार्यकर्ता दिल्लीवासियों के घर या मोहल्ले में नुक्कड़ सभा के जरिए उनसे संपर्क करेंगे। उन्हें एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर सवाल पूछते हुए दो विकल्प दिए जाएंगे। फॉर्म भरकर कार्यकर्ताओं को वापस करना है। पूरी दिल्ली से फॉर्म को एकत्रित करने के बाद देखा जाएगा कि जनता की राय क्या है और इसके मुताबिक फैसला किया जाएगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से गुजरात तक मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे के चुनाव और अन्य कुछ मुद्दों पर पहले भी रायशुमारी करा चुकी है। हालांकि, पहली बार पार्टी ने इसके लिए ऑफलाइन मोड का चुनाव किया है। खुद अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों इसकी वजह का खुलासा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को रायशुमारी के लिए घर-घर जाने का निर्देश देते हुए कहा कि वे इसे ही लोकसभा चुनाव के लिए कैंपेन का आगाज समझें। आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि दिल्ली की अधिकतर जनता अरविंद केजरीवाल के कामकाज से खुश है और लोग उन्हें जेल में रहकर भी कामकाज संभालने को कहेंगे। ऐसे में यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो भी वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पार्टी के पास विपक्ष खासकर भाजपा की ओर से इस्तीफे की मांग उठाने पर ठोस जवाब होगा।

मोदी सरकार से दो बड़ी मांगें कर दिल्ली पहुंच गए नीतीश कुमार, सियासी हलचल तेज

● बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। हाल ही में नीतीश कैबिनेट ने केंद्र सरकार से बिहार के लिए विशेष दर्जे और आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अचानक दिल्ली दौरे से सियासी हलचल तेज हो गई है। जेडीयू ने उनके इस दौरे की निजी वजह बताई है। हालांकि, सियासी गलियारों में सीएम के दिल्ली जाने पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। नीतीश सरकार ने हाल में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने बिहार के लिए दो बड़ी मांगें की हैं। ऐसे में सीएम नीतीश का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी दिल्ली में ही हैं। ढ्ढह्लढ्ढ गठबंधन पर आगे की चर्चा होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। नीतीश और लालू की दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मुलाकात की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार शाम पटना से विशेष विमान के जरिए दिल्ली रवाना हो गए। उनकी यह यात्रा निजी बताई गई है। वे शनिवार को वापस पटना लौट जाएंगे। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया को बताया है कि नीतीश रूटीन आई चेकअप के लिए दिल्ली गए हैं। उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। हालांकि, फिर भी सियासी गलियारों में सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

नीतीश सरकार ने केंद्र के सामने रखीं दो बड़ी मांगें

बिहार सरकार ने हाल ही में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने दो बड़ी मांगें

रखी हैं। जाति गणना के बाद राज्य में बढ़ाए गए आरक्षण के दायरे को नीतीश सरकार ने संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है। ताकि कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में नीतीश कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की अपनी पुरानी मांग भी तेज कर दी है। इसका प्रस्ताव भी दो दिन पहले कैबिनेट से पारित किया गया।

INDIA गठबंधन पर आगे बढ़ेगी बात? सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बीच INDIA गठबंधन की आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम नीतीश ने पिछले दिनों कांग्रेस द्वारा गठबंधन पर ध्यान नहीं देने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त है, इसलिए आगे बात नहीं हो पा रही है। दिल्ली दौरे पर नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी नेताओं से मुलाकात की चर्चा भी हो रही है। हालांकि, इसकी संभावना कम है, क्योंकि जेडीयू इसे निजी दौरा बता रही है। साथ ही कांग्रेस के आला नेता अभी राजस्थान चुनाव में व्यस्त हैं।

लालू यादव भी दिल्ली में-आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। वे अपनी बेटी एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती के साथ बुधवार को पटना से दिल्ली गए। बताया जा रहा है कि लालू सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए हैं।

8 नौसैनिकों के लिए राहत की खबर, कतर की अदालत ने स्वीकार की याचिका

मिली थी मौत की सजा

नई दिल्ली। भारत के आठ पूर्व नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके खिलाफ भारत के द्वारा एक याचिका दायर की गई। कतर की अदालत ने गुरुवार यानी 23 नवंबर को अपील स्वीकार कर लिया है। जल्द ही इस मामले पर सुनवाई होगी। कतर की अदालत ने बीते 26 अक्टूबर को यह फैसला सुनाया था। ये सभी डहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज और कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ काम करते थे। अगस्त 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 16 नवंबर को इसकी पुष्टि की थी। उन्होंने कहा भारत सरकार के द्वारा इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की बात कही थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है अपील कुछ दिनों बाद स्वीकार कर ली गई। अदालत ने 23 नवंबर को पहली सुनवाई करने का फैसला किया। गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने अपील को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया। अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी।

कतर की अदालत ने 26 अक्टूबर को अज्ञात आरोपों में भारत के आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई थी। ये सभी दोहा स्थित डहरा ग्लोबल के कर्मचारी थे और इन्हें जासूसी के आरोप में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। भारत ने फैसले को बेहद चौंकाने वाला बताया और इस मामले पर कतर के साथ बातचीत के लिए सभी राजनयिक चैनलों को एक्टिव किया है।

गिरफ्तार भारतीयों की पहचान कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ,

कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश के रूप में हुई है। ये सभी भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी हैं। मंत्रालय ने फैसले के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा था, ÷हम मौत की सजा के फैसले से गहरे सदमे में हैं और विस्तृत फैसले का इंतजार कर रहे हैं। हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं, और हम सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं।

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में नवंबर के साथ ही खत्म होगा पलूशन

गुलाबी ठंड भी देने जा रही दस्तक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी के कई शहरों में अब भी हवा की गुणवत्ता का स्तर बेहद खराब है। दिल्ली में अब भी AQI लेवल 400 के पार बना हुआ है। इसके अलावा मेरठ, सोनीपत, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ समेत आसपास के शहरों में भी स्थिति खराब ही है। हालांकि इस बीच मौसम विभाग ने गुड न्यूज दी है और नवंबर के जाते-जाते सर्दी बढ़ सकती है। इसके अलावा हवा भी पूरी तरह से साफ होने की संभावना है। इस तरह दिल्ली में नवंबर के अंत तक गुलाबी सर्दी दस्तक दे देगी। जिसका लोगों को इंतजार है।

दिल्ली में पारा पहली बार इतना लुढ़का, बारिश की भी हो गई भविष्यवाणी

मौसम विभाग का अनुमान है कि दक्षिण भारत के केरल,

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में 24 से 27 नवंबर के दौरान अच्छी खासी बारिश होनी है। इसके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, दक्षिणी राजस्थान में 25 से 27 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश में 26 नवंबर को भारी बारिश हो सकती है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम उत्तर में भी हल्की बारिश होने की उम्मीद है। इन राज्यों में 25 से 27 नवंबर तक बौछार के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा हवा की गति में भी इजाफा होगा।

ठंड में होगा इजाफा तो हवा भी होगी साफ, मिलेगी पूरी राहत

मौसम में इस बदलाव से एक तरफ ठंड में इजाफा होगा तो वहीं हवा भी साफ होगी। इस तरह महीने के अंत तक पलूशन से राहत मिल सकती है। बता दें कि बीते कई सालों से दिल्ली में अक्टूबर के मध्य तक पलूशन बढ़ जाता है और फिर नवंबर के आखिरी सप्ताह तक आते-आते कम हो जाता है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा पूरे उत्तर भारत में ही नवंबर के आखिरी सप्ताह में ठंड बढ़ने वाली है।

उत्तर भारत के इन राज्यों में होगी अच्छी बारिश

पश्चिमी हिमालयी राज्य कहलाने वाले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 25 से 27 नवंबर के दौरान अच्छी बारिश हो सकती है। इन राज्यों में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर भी देखने को मिलेगा। इसके अलावा निचले इलाकों में बारिश होगी। गोवा, कोंकण और महाराष्ट्र में भी इस सप्ताहांत तक अच्छी बारिश की संभावना है।

चीन में फिर से फैल रही नई बीमारी, डब्ल्यूएचओ हुआ सख्त

नई दिल्ली। अभी देश में कोरोना के मामलों में कमी आई ही थी कि एक बार फिर से एक नई महामारी के आने की संभावना WHO ने जताई है। नई बीमारी की शुरूआत अब फिर से चीन से ही हुई है। चीन के बच्चों में सांस की बीमारी फैल रही है। जिसे लेकर WHO ने चेतावनी जारी की है।

WHO का कहना है कि अक्टूबर 2023 के मध्य से, विश्व स्वास्थ्य संगठन चीनी निगरानी प्रणालियों के डेटा की निगरानी कर रहा है जिसमें उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारी में लगातार बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। आज WHO ने चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की जिसमें उन्होंने उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारियों पर अनुरोधित डेटा प्रदान किया है।

डेटा मई से माइकोप्लाज्मा निमोनिया और अक्टूबर से आरएसवी, एडेनोवायरस और इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण बाह्य रोगी परामर्श और बच्चों के अस्पताल में प्रवेश में वृद्धि का संकेत दे रहा है।

डब्ल्यूएचओ स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चीन में राष्ट्रीय अधिकारियों के साथ निकट संपर्क में है।

पहले भी WHO ने दी थी चेतावनी

उत्तरी चीन में एक अलग तरह की बीमारी देखने को मिल रही है, जो सबसे ज्यादा बच्चों में फैल रही है। WHO की माने तो इन बच्चों में सांस संबंधी और निमोनिया से संबंधित बीमारी का पता चला है। हालांकि, इसके लक्षण निमोनिया से भी अलग है। बच्चों में तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में दिक्कत और फ्लू की समस्या देखने को मिल रही है।

WHO ने क्या कहा?

इस बीमारी के सामने आते ही WHO भी एक्टिव हो गया है। स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि वो इस पर नजर बनाए हुए है। इसी के साथ WHO ने चीन को भी इसकी सख्त निगरानी करने की हिदायत दी है।

WHO ने चीन को इसी के साथ हर जानकारी साझा करने का निर्देश दिया है।

एकनाथ शिंदे सरकार में इस्तीफे तक पहुंची बात, मराठाओं के बाद ओबीसी पर उबाल

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार के लिए अब तक मराठा आंदोलन ही टेंशन बना हुआ था, लेकिन अब ओबीसी जातियों की गोलबंदी भी चिंता बढ़ा रही है। यही नहीं ओबीसी बिरादरियों को गोलबंद करने में एकनाथ शिंदे सरकार के ही मंत्री छगन भुजबल जुटे हुए हैं। अजित पवार के साथ सरकार का हिस्सा बने भुजबल ने तो अब बागी तेवर भी अपना लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मराठा आरक्षण के खिलाफ मेरे स्टैंड के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता है तो मैं मंत्री पद छोड़ने के लिए भी तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मैं तो विधायकी तक से इस्तीफे के लिए तैयार हूं।

दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। वह कहते हैं कि इससे ओबीसी वर्गों के अधिकार

● दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। वह कहते हैं कि इससे ओबीसी वर्गों के अधिकार प्रभावित होंगे।

प्रभावित होंगे। उन्होंने हाल ही में जालना जिले में ओबीसी वर्ग की एक बड़ी रैली भी की थी। उनकी इस मुहिम में कांग्रेस के भी कई नेता साथ हैं। अब उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में सरकार के खिलाफ जाते हुए इस्तीफे तक की बात कह दी है।

छगन भुजबल ने कहा, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि मेरे स्टैंड की वजह से कहा जाता है तो फिर विधायकी भी छोड़ दूंगा। मैं अपनी पार्टी के आदेश का पालन करूंगा, जिसमें अजित पवार सुप्रीम हैं। इसके अलावा कैबिनेट में सीएम मेरे बॉस हैं, जबकि भाजपा गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है। यदि वे मुझसे इस्तीफा देने को कहते हैं तो दे दूंगा। मैंने हमेशा ओबीसी समाज के लिए काम किया है और आगे भी करता रहूंगा। यही नहीं जालना की रैली में तो छगन भुजबल को सीएम बनाने के नारे भी लगे थे।

यह पूछे जाने पर कि सरकार मराठा आंदोलन के आगे झुकती दिख रही है? छगन भुजबल ने कहा कि मैं तो अपनी बाक कहता ही रहूंगा। सरकार और इस मामले की सुनवाई करने वाले जजों को इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण रखना चाहिए। मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबीसी समाज से अन्याय न हो सके। गौरतलब है कि मराठा आंदोलनकारी भी लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। मनोज जारांगे पाटिल ने तो पिछले महीने आंदोलन ही इस शर्त पर खत्म किया था कि यदि 2 जनवरी तक मराठा कोटे पर फैसला नहीं हो सका तो फिर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

बढ़ेंगी महुआ मोइत्रा की मुश्किलें! दुबई के बाद अब यूएस में भी लॉगिन डिटेल का खुलासा

नई दिल्ली। रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में जांच की आंच झेल चुकीं सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खबर है कि मोइत्रा का संसद लॉगिन सिर्फ दुबई ही नहीं, बल्कि अमेरिका के एक शहर में भी लॉगिन हुआ था। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए थे कि मोइत्रा ने अपने लॉगिन डिटेल्स कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के साथ साझा किए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में MEITY यानी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया जा रहा है कि मोइत्रा के खाते में न्यू जर्सी और बेंगलुरु से भी लॉगिन हुआ था। कहा जा रहा है जिस दिन ये लॉगिन हुए, उस समय तृणमूल कांग्रेस सांसद मोइत्रा भारत में हीं थीं। खास बात है कि मोइत्रा खुद भी स्वीकार कर चुकी हैं कि उन्होंने हीरानंदानी को पासवर्ड दिया था। MEITY के रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया जा रहा है कि 29 अक्टूबर 2019 को मोइत्रा के अकाउंट में दुबई से और कुछ ही समय बाद बेंगलुरु से भी लॉगिन हुआ था। 15 जनवरी 2021 को भी दिल्ली स्थित पार्लियामेंट हाउस, कोलकाता, न्यू जर्सी में कई बार लॉगिन किया गया था। हीरानंदानी की तरफ से दाखिल हलफनामे में भी टीएमसी सांसद पर आरोप लगाए गए थे। उनका

कहना था कि मोइत्रा ने सवाल पूछने के बदले में रिश्वत ली थी। हलफनामें में हीरानंदानी ने यह भी दावा किया था कि मोइत्रा ने उन्हें संसद का लॉगिन दिया था, ताकि वह उनके स्थान पर सवाल पूछ सकें। हालांकि, एक चैनल से बातचीत में सांसद का कहना था कि प्रश्न डालने पर फोन पर OTP आता है।

लोकसभा ने दी सलाह-लोकसभा सचिवालय ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सांसदों के प्रश्नों को लेकर सरकार की तरफ से दिए गए उत्तरों की गोपनीयता बनाए रखने पर जोर दिया है और उनसे कहा है कि वे अपने पोर्टल का उपयोग केवल खुद के लिए करें। लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को सूचित किया कि किसी प्रश्न के दिए गए उत्तर की सामग्री तब तक पूरी तरह से गोपनीय होती है जब तक कि सदन में मौखिक उत्तर के लिए प्रश्न पूछा और उत्तर नहीं दिया जाता है। उसका कहना है कि यदि कोई प्रश्न मौखिक उत्तर के लिए नहीं आ सकता है, तो प्रश्नकाल के समापन तक प्रश्न का उत्तर जारी नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, लिखित उत्तरों की सूची में शामिल प्रश्नों को भी तब तक गोपनीय माना जाएगा जब तक कि उन्हें प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद सदन के पटल पर रख नहीं दिया जाता है।

17 दिन तक नाबालिग हुई डिजिटल अरेस्ट, खाते से निकलवा लिए 2.5 लाख

- ठगों द्वारा लोगों से पैसे निकलवाने का नया तरीका है डिजिटल अरेस्ट

नई दिल्ली । हरियाणा के फरीदाबाद में एक 17 वर्षीय लड़की को लगभग को 17 दिन के लिए उसके घर में डिजिटली अरेस्ट कर लिया गया। इस बारे में वह अपने परिवार के सदस्यों तक को नहीं बता पाई। इस दौरान उसके अकाउंट से 2.5 लाख रुपये भी निकलवा लिए गए। बता दें कि यह ठगों द्वारा लोगों से पैसे निकलवाने का नया इजाद तरीका है। पीड़िता को फोन करके बताया गया कि कंबोडिया जा रहे एक पार्सल से पीड़िता का आधार नंबर लिंक है। इस पार्सल में कई फर्जी पासपोर्ट और अन्य कार्ड हैं। पीड़िता को बताया जाता है कि वह मानव तस्करी के अवैध कारोबार में संलिप्त है। ठगों द्वारा फोन लखनऊ कस्टम अधिकारी बनकर किया जाता है। उससे कहा जाता है कि अगर वह पार्सल उसका नहीं है तो लखनऊ के संबंधित थाने में जाकर एफआईआर दर्ज कराए। पीड़िता को इसके बाद स्काइप कॉल करने के लिए कहा जाता है। घबराई हुई नाबालिग लड़की ऐसा ही करती है और फिर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो जाती है। स्काईप कॉल पर पीड़िता को फर्जी थाना और पुलिस अधिकारी दिखाए जाते हैं। स्काईप पर ही उसे फर्जी कस्टम और सीबीआई अधिकारी भी दिखाए जाते हैं। इसके बाद लड़की को कहा जाता है कि अब ठगों के साथ लगातार संपर्क में बनी रहे। वह फोन पर या स्काइप उनसे जुड़ी रहेगी। साथ ही इस बात की जानकारी भी घर के किसी सदस्य व दोस्तों को नहीं दे सकती। लड़की ने ऐसा ही किया। पीड़िता उच्च शिक्षा लेने के लिए विदेश जाने की तैयारी कर रही थी तो घर वालों को लगा कि वह पढ़ाई से संबंधित किसी काम में व्यस्त है। करीब 17 दिन तक यह खेल चलता रहा। पीड़िता का दावा है कि इतने दिन उसे घर से बाहर नहीं निकलने दिया गया और ना ही फोन से डिस्कनेक्ट होने दिया गया। इस बीच सेटलमेंट के नाम पर अधिकारी बने ठगों ने उससे पैसे मांगना शुरू कर दिया था। उससे पहले 15 लाख रुपये की मांग की गई। जब पीड़िता ने कहा कि उसके पास इतने पैसे नहीं हैं तो उसे कहा गया कि वह अपने घर के लोगों व रिश्तेदारों से पैसे मांगकर उन्हें दे। हालांकि, पीड़िता ने ऐसा नहीं किया और उसने कहा कि उसके अकाउंट में पढ़ाई के लिए जमा 2.5 लाख रुपये रखे हैं। यही पैसे उसने ठगों को दे दिए। इसके बाद उन्होंने फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। जब पीड़िता ने यह बात घर वालों को बताई तो उन्हें समझ आया कि वह डिजिटल फॉड का शिकार हो गई है।

किसान प्रदर्शन से 6 गाड़ियां रद्द, 33 का मार्ग परिवर्तित

-गन्ने की एमएसपी वृद्धि सहित लंबित मांगों के निराकरण को लेकर चौथे दिन भी जारी रहा किसान प्रदर्शन

चंडीगढ़ । गन्ने की एम.एस.पी. बढ़ाने सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन शुक्रवार चौथे दिन भी जारी है। इससे नैशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ। धरने के कारण तीसरे दिन भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने अलग रास्ते निकाल कर ट्रैफिक को डायवर्ट किया हुआ था लेकिन इसके बावजूद बहुत दूर तक लोग जाम में पूरा दिन फंसे रहे। मरीज को लेकर जा रही एक एम्बुलैंस भी 1 घंटे से अधिक समय तक जाम में अपनी जगह से इधर-उधर नहीं हो सकी। आंदोलन को देखते हुए रेल विभाग ने 24 नवम्बर को भी कई गाड़ियां रद्द रखने की सूचना जारी की है जिसमें चंडीगढ़-अमृतसर, अमृतसर-हिसार, लुधियाना-अंबाला कैंट सहित कुल 6 गाड़ियों को रद्द रखा जाएगा। 18 रेलगाड़ियों को शार्ट टर्मीनेट कर बीच रास्ते वापस लौटाया जाएगा और 33 रेलगाड़ियों को रूट बदल कर चलाया जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर को 12 बजे किसान रेल ट्रैक पर बैठ गए थे, जिसके बाद कोई भी ट्रेन वहां से नहीं निकल सकी। कटिहार एक्सप्रैस ट्रेन पीछे से आकर चहेड़ू के पास खड़ी रही और उसमें सवार यात्रियों को बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ईडी ने अभिनेता प्रकाश राज को भेजा समन

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता प्रकाश राज पोंजी और धोखाधड़ी के मामले में ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की रडार पर आ गए हैं। करीब सौ करोड़ के इस कथित घोटाले को लेकर समन भेजा है। अभिनेता को ईडी ने तिरुचिरापल्ली स्थित प्रणव ज्वेलरी ग्रुप के खिलाफ कथित 100 करोड़ रुपये के पोंजी और धोखाधड़ी मामले में समन भेजा है। सवाल जवाब के लिए ईडी के दफ्तर पहुंचना होगा। पूछताछ के पीछे एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि प्रकाश राज इस कंपनी के ब्रांड एंबेसडर रहे हैं इसलिए पोंजी घोटाले में पूछताछ की जाएगी। उन्हें अगले हफ्ते चेन्नई में ईडी के सामने पेश होना होगा। फिल्म अभिनेता प्रकाश राज पहली बार कानूनी पचड़े में नहीं फंसे है। इससे पहले वे चंद्रयान 3 मिशन पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया था। जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। एक्टर ने एक्स पर एक मजाकिया पोस्ट शेयर किया था, जिसके बाद हिंदू संगठनों ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी।उन्होंने 'चंद्रयान 3' पर एक कार्टून शेयर किया था। जिसमें कार्टून लुंगी पहने हुए एक मग से दूसरे मग में चाय डालता दिख रहा था। इसे तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, 'चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर से चांद की आने वाली पहली तस्वीर'। दरअसल वह कार्टून पूर्व इसरो के प्रमुख के सिवान का था। इसके बाद प्रकाश राज को देशद्रोही भी कहा गया था। प्रकाश राज वो एक्टर हैं जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते रहते हैं। वह सोशल मीडिया या अपने इंटरव्यू में बेबाकी से अपनी राय रखते हैं जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना भी करना पड़ता है। वह हर मुद्दे पर अपनी राय रखते हैं। आपको बता दें कि 20 नवंबर को ईडी ने तिरुचिरापल्ली स्थित प्रणव ज्वैलर्स पर छापेमारी की थी। ईडी ने इस कार्रवाई में प्रणव ज्वेलर्स के यहां कुछ कागजात मिले जिसमें करीब 23 लाख 70 हजार रुपये का संदिग्ध लेनदेन पाया है। इसके साथ ही ईडी ने 11 किलो 60 ग्राम सोने के गहने जब्त किए हैं। प्रकाश राज, प्रणव ज्वेलर्स का एंड्रोसेमेंट करते हैं इसलिए अब जांच में उन्हें भी नोटिस भेजा गया है।

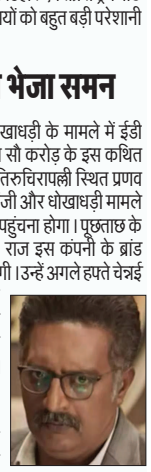

10 लाख डॉलर नहीं दिये जाने पर मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई । बिटकॉइन के रूप में 10 लाख डॉलर की धमकी पर मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने संबंधी ईमेल की मुंबई की सहार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। सूत्रों के अनुसार इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) को गुरुवार को मिले एक धमकी भरे ई मेल में लिखा है कि बिटकॉइन के रूप में 10 लाख डॉलर दो, वरना अगले 48 घंटे में टर्मिनल 2 को बम से उड़ा दिया जाएगा। ईमेल के जरिए संदेश भेजने वाले ने धमाका टालने के लिए 48 घंटे के अंदर 10 लाख डॉलर देने की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ धारा 385 और 505(1)(बी) के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मेल के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। आगे की जांच की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कायदाकस्टोल नाम से गुरुवार सुबह करीब 11 बजे यह ईमेल मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के फीडबैक इनबॉक्स में आया है। धमकी भरे मेल में आरोपी ने लिखा है कि यह आपके एयरपोर्ट के लिए आखिरी चेतावनी है। यदि 10 लाख डॉलर नहीं दिए गए तो हम 48 घंटे के अंदर एयरपोर्ट का टर्मिनल 2 को बम से उड़ा देंगे। इसके लिए हमें बिटकॉइन में एक मिलियन डॉलर भेजा जाये। 24 घंटे बाद एक और अलर्ट दिया जाएगा। यह धमकी भरा ईमेल जिस आईपी ऐड्रेस का दुरुपयोग कर भेजा गया है, उसका पता लगा लिया गया है। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले आरोपी की पहचान में जुट गई है।

शिरडी के साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने दस दिनों में 17 करोड़ दान दिया

शिरडी। दिवाली की छुट्टियों के दौरान, देश भर से लाखों भक्त साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी आये थे। पिछले दस दिनों में साईं के चरणों में भक्तों ने 17 करोड़ 55 लाख 56 हजार रुपये तक चढ़ाए हैं. साईबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. शिव शंकर ने इस बात की पुष्टि की. दरअसल दिवाली की छुट्टियों के मद्देनजर शिरडी में साईं भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। दिवाली और भाऊबीज त्योहार मनाए जाने के बाद भक्त साईं बाबा के दर्शन को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए पिछले कुछ दिनों से शिरडी की सड़कों समेत साईं मंदिर इलाके में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। देशभर से भक्त साईं के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं. यूरोपीय देशों जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, रूस, चेक गणराज्य और डेनमार्क से 37 महिलाओं और 15 पुरुषों सहित 52 विदेशी भक्तों ने हाल ही में साईं मंदिर में दर्शन किए।

मोदी सरकार से दो बड़ी मांगें कर दिल्ली पहुंच गए नीतीश कुमार, सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अचानक दिल्ली प्रवास को लेकर सियासी गलियारों में विभिन्न प्रकार के कयास लगाये जा रहे हैं। नीतीश सरकार ने हाल में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने बिहार के लिए दो बड़ी मांगें की हैं। ऐसे में सीएम नीतीश का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी दिल्ली में ही हैं। इण्डिया गठबंधन पर आगे की चर्चा होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। नीतीश और लालू की दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मुलाकात की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि जेडीयू ने उनके इस दौरे की निजी वजह बताई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार शाम पटना से विशेष विमान के जरिए दिल्ली रवाना हो गए। उनकी यह यात्रा निजी बताई गई है। वे शनिवार को वापस पटना लौट जाएंगे। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया को बताया है कि नीतीश रूटीन आई चेकअप के लिए दिल्ली गए हैं। उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक मकसद नहीं है।

बिहार सरकार ने हाल ही में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने दो बड़ी मांगें रखी हैं। जाति गणना के बाद राज्य में बढ़ाए गए आरक्षण के दायरे को नीतीश सरकार ने संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है। ताकि कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में नीतीश कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की अपनी पुरानी मांग भी तेज कर दी है। इसका प्रस्ताव भी दो दिन पहले कैबिनेट से पारित किया गया।

सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बीच इण्डिया गठबंधन की आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम नीतीश ने पिछले दिनों कांग्रेस द्वारा गठबंधन पर ध्यान नहीं देने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त है, इसलिए आगे बात नहीं हो पा रही है। दिल्ली दौरे पर नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी नेताओं से मुलाकात की चर्चा भी हो रही है। वहीं कांग्रेस के आला नेता अभी राजस्थान चुनाव में व्यस्त हैं।उधर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। वे अपनी बेटी एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती के साथ बुधवार को पटना से दिल्ली गए। बताया जा रहा है कि लालू सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए हैं।

विस निर्वाचन की घोषणा के बाद अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये जब्त

-साल 2018 के दौरान 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना अधिक

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग की 5 राज्यों में विधानसभा कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही लागू आदर्श आचार संहिता के तहत राज्य और केंद्र की एजेंसियों के साथ चुनाव आयोग की कार्यवाही में अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया गया है, जो साल 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना ज्यादा है। चुनाव आयोग ने बताया है कि 5 राज्यों में चुनाव के ऐलान के बाद से तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होना है। इसी बीच चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को पुलिस ने रंगारेड्डी के गच्चीबाउली से एक कार से पांच करोड़ रुपये कैश बरामद किया है। जब कार चालकों से इस कैश के बारे में पूछा गया, तो वे इस कैश का कोई हिसाब नहीं दे पाए। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, वाहन चेकिंग के दौरान एक कार में मिले दो सूटकेस रुपये जब्त कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। कैश को आयकर विभाग को सौंप दिया गया। इससे पहले चुनाव आयोग ने बताया था कि 5 राज्यों में चुनाव के ऐलान के बाद से अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया गया है। यह साल 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना ज्यादा है। । चुनाव आयोग के मुताबिक, चुनाव ऐलान के बाद एमपी, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान से 1760 करोड़ रुपये से ज्यादा की जब्ती की गई है। जबकि साल 2018 में इन्हीं राज्यों से 239.15 करोड़ रुपये जब्त हुए थे। इससे पहले गुजरात, हिमाचल, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में चुनाव आयोग ने 1400 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया था। यह पिछले चुनाव में जब्त किए गए कैश से 11 गुना था।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आप का डोर-टू-डोर कैंपेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर निर्णय को लेकर आम आदमी पार्टी ने डोर-टू-डोर कैंपेन सहित नुक्कड़ सभाओं का आयोजन करने जा रही है।आम आदमी पार्टी (आप) शुक्रवार से दिल्ली में इस पर रायशुमारी करने जा रही है कि केजरीवाल को इस्तीफा देना चाहिए या फिर जेल से सरकार चलानी चाहिए? पिछले दिनों खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा था कि वह इस्तीफे को जूते की नोक पर रखते हैं, लेकिन फैसला दिल्ली की जनता से पूछने के बाद लिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने रायशुमारी के लिए इस बार कोई फोन नंबर या ईमेल आईडी जारी नहीं की है, बल्कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को घर-घर भेजने का फैसला किया है। नागरिकों को एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर सवाल पूछते हुए दो विकल्प दिए जाएंगे। फॉर्म भरकर कार्यकर्ताओं को वापस करना है। पूरी दिल्ली से फॉर्म को एकत्रित करने के बाद देखा जाएगा कि जनता की क्या राय है और उसके मुताबिक फैसला किया जाएगा।

दरअसल, दिल्ली के कथित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता जेल जा चुके हैं। विजय नायर के अलावा पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को भी समन किया था। हालांकि वह पेश नहीं हुए थे। आम आदमी पार्टी को आशंका है कि ईडी केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर सकती है। ऐसे में पार्टी दिल्ली की जनता से पूछना चाहती है कि यदि आशंका सच होती है तो केजरीवाल को मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए या फिर जेल से ही सरकार चलानी चाहिए।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब से गुजरात तक मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे के चुनाव और अन्य कुछ मुद्दों पर पहले भी रायशुमारी करा चुकी है। हालांकि, पहली बार पार्टी ने इसके लिए ऑफलाइन मोड का चुनाव किया है। खुद अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों इसकी वजह का खुलासा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को रायशुमारी के लिए घर-घर जाने का निर्देश देते हुए कहा कि वे इसे ही लोकसभा चुनाव के लिए कैंपेन का आगाज समझें। आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि दिल्ली की अधिकतर जनता अरविंद केजरीवाल के कामकाज से खुश है और लोग उन्हें जेल में रहकर भी कामकाज संभालने को कहेंगे। ऐसे में यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो भी वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पार्टी के पास विपक्ष खासकर भाजपा की ओर से इस्तीफे की मांग उठाने पर ठोस जवाब होगा। दूसरी तरफ पार्टी घर-घर जाकर जनता से संपर्क साधकर लोकसभा चुनाव की तैयारी भी करने जा रही है। घर-घर जाकर यह बताने की कोशिश की जाएगी कि पार्टी के नेताओं को झूठे केसों में फंसाया गया है।

मराठा के बाद ओबीसी की गोलबंदी में घिरी एकनाथ शिंदे सरकार

-अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे छगन भुजबल ने अपनाया बागी रुख

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन पश्चात अब अन्य पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी एकनाथ शिंदे सरकार की चिंता बढ़ा रही है।उधर ओबीसी बिरादरियों को गोलबंद करने में एकनाथ शिंदे सरकार के ही मंत्री छगन भुजबल जुटे हुए हैं। अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे भुजबल ने अब बागी तेवर भी अपना लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मराठा आरक्षण के खिलाफ मेरे स्टैंड के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता है तो वे मंत्री और विधायकी तक के पद त्यागने को तैयार हैं।

दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। उन्होंने जालना जिले में हाल ही में ओबीसी वर्ग की एक बड़ी रैली की थी। उनकी इस मुहिम में कांग्रेस के भी कई नेता साथ हैं।

छगन भुजबल ने कहा, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि मेरे स्टैंड की वजह से कहा जाता है तो फिर विधायकी भी छोड़ दूंगा। मैं अपनी पार्टी के आदेश का पालन करूंगा, जिसमें अजित पवार सुप्रीम हैं। इसके अलावा कैबिनेट में सीएम मेरे बॉस हैं, जबकि भाजपा गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है। यदि वे मुझसे इस्तीफा देने को कहते हैं तो दे दूंगा।

मराठा आंदोलन मुद्दे पर सरकार के झुकने के प्रश्न पर भुजबल ने कहा कि सरकार और इस मामले की सुनवाई करने वाले जजों को इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण रखना चाहिए। मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबीसी समाज से अन्याय न हो सके। गौरतलब है कि मराठा आंदोलनकारी भी लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। मनोज जागरे पाटिल ने तो पिछले महीने आंदोलन ही इस शर्त पर खत्म किया था कि यदि 2 जनवरी तक मराठा कोटे पर फैसला नहीं हो सका तो फिर सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा।

ठण्ड में वृद्धि, बारिश से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और आसपास के इलाकों में ठंड में लगातार वृद्धि हो रही है। गुरुवार को इस मौसम में पहली बार न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्यियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है, जबकि बुधवार को यह 10.6 डिग्री दर्ज किया गया था जो इस सीजन का अब तक का न्यूनतम तापमान रहा। मौसम केन्द्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने से न्यूनतम तापमान में कुछ वृद्धि हो सकती है जबकि हवा की दिशा पूर्वी से दक्षिणी होगी और गति काफी कम होगी। बादल छाए रहने की वजह से तापमान बढ़ेगा अगले सप्ताह बारिश की संभावना व्यक्त की गई है जिससे तापमान और नीचे गिरने की संभावना है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बादलों का डेरा हो जाने से शुक्रवार शाम से तापमान में कुछ वृद्धि हो सकती है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि एक दिन पहले 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में इजाफे का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 10 और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सप्ताह दिल्ली में बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान में 27 नवंबर के आसपास गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर को इस बारिश की वजह से प्रदूषण से राहत मिल सकती है।

मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू नहीं किया, आज जातिगत आरक्षण की बात कर रहे कांग्रेसी : मायावती

-नाम लिए बिना किया राहुल गांधी पर तंज

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली में एक चुनावी रैली को संबोधित कर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया।

बहनजी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष कर कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) की तरह ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी और ओबीसी को अलग से आरक्षण नहीं दिए जाने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की भी आलोचना की।

मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया। उन्होंने कहा, एससी-एसटी, ओबीसी के वोट पाने के लिए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब अपनी चुनावी सभाओं में प्रचार कर रहे हैं कि जाति आधारित जनगणना होना चाहिए। मायावती ने कहा, ''...ये लोग (कांग्रेस) जाति जनगणना (अब) के बारे में बात कर रहे हैं। जब आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में थी, तब सबसे पिछड़े वर्ग के लोगों ने एससी-एसटी की तर्ज पर खुद को आरक्षण देने मांग की थी।

ओबीसी के लिए आरक्षण की सिफारिश करने वाली काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर मायावती ने कहा कि इन्हें कांग्रेस ने लागू ही नहीं किया। बसपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया था और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाया था। उन्होंने कहा कि लेकिन, सबसे पुरानी पार्टी ने रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओबीसी समुदाय के लोगों को पता होना चाहिए कि मंडल आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस के प्रयासों से नहीं, बल्कि बसपा के प्रयासों से तत्कालीन वीपी सिंह सरकार ने लागू की थी। मायावती ने दावा किया कि केंद्र और अधिकतर राज्य सरकारें कमजोर वर्गों को शोषण से राहत देने के लिए बने कानूनों को समुचित तरीके से लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हालत भी संतोषजनक नहीं लगती तथा उच्च वर्गों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की दशा 'शोचनीय है।

चीन में फैले रहस्यमय निमोनिया ने भारत की उड़ाई नींद! सतर्क हुआ स्वास्थ्य मंत्रालय, जानें बच्चों में फैल रही बीमारी की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में इस समय एक रहस्यमय निमोनिया फैला हुआ है जो सबसे ज्यादा बच्चों को टारगेट कर रहा है। ऐसे में कोरोना वायरस से होने वाले नुकसान से अभी दुनिया उबरी भी नहीं थी कि चीन में एक नये वायरस का जन्म हो गया है। अब हर देश इस चीज को लेकर काफी ज्यादा सतर्क है। भारत और चीन पड़ोसी देश है ऐसे में चीन में फैली इस बीमारी को लेकर भारत भी सतर्क है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह उत्तरी चीन में एच9एन2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के मामलों और बच्चों में सांस की बीमारी के फैलने की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

चीन से रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा मामले के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी के समूहों से भारत को कम जोखिम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश मौजूदा स्थिति से उत्पन्न होने वाली किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए तैयार है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा 'भारत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए तैयार है। भारत ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के लिए एक समग्र और एकीकृत रोडमैप अपनाने के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय मजबूती आई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने अक्टूबर 2023 में चीन में एच9एन2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के एक मानव मामले की पृष्ठभूमि में देश में एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के खिलाफ तैयारी के उपायों पर चर्चा करने के लिए हाल ही में एक बैठक की, जिसकी रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ को दी गई थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि 'विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा समग्र जोखिम मूल्यांकन मानव से मानव में फैलने की कम संभावना और अब तक डब्ल्यूएचओ को रिपोर्ट किए गए एच9एन2 के मानव मामलों में कम मृत्यु दर का संकेत देता है।' मंत्रालय ने मानव, पशुपालन और वन्य जीवन क्षेत्रों के बीच निगरानी को मजबूत करने और समन्वय में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चीन को कोविड-19 के बाद एक और संभावित स्वास्थ्य आपातकाल का सामना करना पड़ रहा है - एक रहस्यमय निमोनिया का प्रकोप स्कूलों में फैल गया है और इसके परिणामस्वरूप अस्पताल बीमार बच्चों से भर गए हैं। इससे वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों में चिंता पैदा हो गई है।

इस प्रकोप का केंद्र बीजिंग और लियाओनिंग प्रांत हैं, जहां बाल चिकित्सा

अस्पतालों को भारी संख्या में बीमार बच्चों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता के कारण कुछ स्कूलों में कक्षाएं निलंबित कर दी गई हैं, क्योंकि छात्र और शिक्षक दोनों बीमार पड़ गए हैं, यह स्थिति कोविड-19 के शुरुआती दिनों की याद दिलाती है।

बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों ने कम से कम 4 आतंकियों को ढेर किया

कराची । पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों ने एक अभियान में 4र आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवाद निरोधक पुलिस ने यह जानकारी दी। आतंकवाद निरोधक विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह घटना प्रांत के केच जिले में हुई। सीटीडी ने कहा कि उसे जिले में पसनी रोड के पास आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली और इसके बाद उसने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया और इस दौरान आतंकवादियों को ढेर कर दिया।

काठमांडू में फिर लगे 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू में गुरूवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 थी। गौरतलब है कि नेपाल में पहले भी भूकंन आ चुका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप के झटके देर रात एक बजकर 19 मिनट पर महसूस किए गए जिसका केंद्र मकवानपुर जिले के चितलांग इलाके में था। भूकंप के झटके राजधानी काठमांडू के अलावा नुवकोट, धाडिंग, भक्तपुर, ललितपुर और मकवानपुर जिलों में भी महसूस किए गए हैं।

रूस के क्लस्टर हथियारों के हमले में 3 लोगों की मौत, 5 लोग घायल : यूक्रेन के गृह मंत्री

खेरसान । गरूवार को यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसॉन के एक उपनगर में रूस द्वारा क्लस्टर हथियारों का उपयोग करके किए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। एक यूक्रेनी अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अब एक दिन में युद्ध में जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या 6 हो गई है। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि खेरसॉन के चर्नोबायिवका उपनगर में दोपहर में हुई भारी गोलाबारी में 5 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि दिन में हुए हमले में 60 से अधिक आवासीय और बुनियादी ढांचे की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से युद्ध में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया। आलोचकों का कहना है कि यह हथियार जमीन पर छर्रे फैलाते हैं और लड़ाकों की तुलना में कहीं अधिक नागरिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और मारते हैं। इससे पहले दिन में हुए हमलों में अलग-अलग क्षेत्रों में 3 लोगों की जान रूसी हमलों में गई थी। इस बीच रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि टीवी पत्रकार बोरिस मकसूदोव की दक्षिणी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया क्षेत्र में काम करने के दौरान ड्रोन हमले में घायल होने के बाद मौत हो गई है।

युद्धग्रस्त गाजा में चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी

तेल अवीव। युद्धरत इजराइल और हमास के बीच कतर, अमरीका और मिस्र की मध्यस्थता बाद शुक्रवार से चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी हो गया। इसी के साथ इजराइल में कैद फलस्तीनी और गाजा उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की अदला-बदली का मार्ग प्रशस्त हो गया। सुबह सात बजे से प्रभावी युद्ध विराम कम से कम चार दिन के लिए है! गौरतलब है कि सात अक्टूबर को गाजा में शासन कर रहे हमास समूह ने इजराइल पर अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था। हमास ने इस युद्ध विराम के दौरान कम से कम 50 बंधकों को रिहा करने का वादा किया है। चार दिनों की चरणबद्ध योजना के तहत इजराइल हरेक बंधक को मुक्त करने के बदले में चार फलस्ती ?नियों को रिहा करेगा। हमास द्वारा इजराइल पर सात अक्टूबर को किए गए हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा पर बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी हमले किए, जिसमें कम से कम 13,300 फलस्तीनी मारे गए। यदि यह समझौता सफलता से लागू होता है, तो यह इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में महत्वपूर्ण विराम होगा।

वैज्ञानिकों ने खोजा खुजली का वायरस

-जल्द मिलेगा एक्जिमा और खुजली का स्थाई इलाज

वाशिंगटन । अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के वैज्ञानिक पहली बार इस बात के प्रमाण जुटाने में सफल हुए हैं। जिसमें एक सामान्य जीवाणु तंत्रिका कोशिकाओं को सीधे तौर पर प्रभावित कर, खुजली की कई बीमारियों को जन्म देते थे। त्वचा में स्टेफिलोकोकस आरियस जीवाणु के कारण संतुलन बिगड़ जाता था। जिसके कारण एक्जिमा और त्वचा की अन्य बीमारियां शुरू हो जाती थी। खुजली के कारण त्वचा लाल हो जाती है। इसका परीक्षण करने के बाद शोधकर्ता प्रोफेसर इसाक चिउ के अनुसार खुजली सूक्ष्म जीव के कारण होती है।इसके लिए खुजली के पीछे के नए तंत्र की पहचान करने में वह सफल रहे हैं। चूहों पर किया गया इसका परीक्षण सफल रहा है। खुजली के लिए जिम्मेदार एकल जीवाणु एंजाइम की पहचान करने के लिए स्टेफिलोकोकस आरियस के कई संशोधित संस्करण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके बाद एक्जिमा के रोगियों के लिए यह शोध सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ है । त्वचा के कई रोगों का अब आसानी से इलाज हो सकेगा।

22 करोड मरीज एक्जिमा से पीड़ित

दुनिया भर में 2022 के आंकड़ों के अनुसार 22 करोड़ से ज्यादा एक्जिमा के मरीज हैं।सबसे ज्यादा एक्जिमा से पीड़ित लोगों की संख्या स्वीडन, ब्रिटेन, आइसलैंड, फिनलैंड और डेनमार्क में है। इसके अलावा दुनिया भर में बड़ी संख्या में एक्जिमा और खुजली से परेशान मरीजों की संख्या है। जिन्हें अब राहत पहुंचाना आसान होगा।

इजरायली महिला का 47 दिन के बाद मिला शव

तेल अवीव । सात अक्टूबर को हमास द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए हमले के बाद से लापता 25 वर्षीय इजरायली कानून की छात्रा सनी गैबे को मृत पाया गया है. गैबे उत्तरी शहर योकनेआम की रहने वाली थीं और उनका शव अधिकारियों ने बुधवार को किबुत्ज़ बेरी के पास बरामद किया था। पत्रकारों से योकनेआम के मेयर साइमन अल्फासी ने कहा कि जब हमास ने हमला किया था, तब वह (सनी गैबे) सुपरनोवा संगीत समारोह में थीं। मेयर के अनुसार गैबे ने हमले के तुरंत बाद अपनी मां को फोन किया था और उन्हें बताया था कि वह एक आश्रय स्थल में छिपी हुई हैं और उन्होंने (हमास) उनके पैर में गोली मार दी है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को गैबे के लापता होने के बाद आज सुबह कड़वी खबर मिलने के साथ 47 दिनों की आशा समाप्त हो गई थी। सनी गैबे के भाई एविल का कहना है ?कि हम उनके लौटने की उम्मीद कर रहे थे। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, हम इजरायल के लोगों को धन्यवाद देते हैं, जो हमारे सभी प्रियजनों सहित उनकी वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे थे। हम उम्मीद करते हैं कि सभी बंधक बिना किसी समस्या के घर वापस आ जाएंगे। यह घटनाक्रम हमास और इजरायल के बीच बहुप्रतीक्षित बंधक समझौते के बीच हुआ है, जिसमें लड़ाई को चार दिन के लिए रोकना शामिल है।

मौत की सजा पा चुके नेवी के पूर्व अफसरों की याचिका स्वीकार

दोहा । भारत को खुश करने वाली एक बड़ी खबर आई है। खबर ये है कि कतर में जिन भारतीय नौसेना के 8 पूर्व अफसरों को फांसी की सजा सुनाई गई है, इस मामले में कतर की अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है और जल्द उस पर सुनवाई करेगी। कतर की कोर्ट जल्द ही उनकी अपील पर सुनवाई कर सकती है। बता दें कि नौसेना के इन आठ पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा सुनाई गई है। आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी। बता दें कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है।

उपग्रह इंटरनेट प्रौद्योगिकियों के लिए प्रौद्योगिकी प्रयोग उपग्रह ले जाने वाला एक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में ज़िचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित हुआ।

नेतन्याहू ने दे दिया बड़ा आदेश, मिट जाएगा हमास का नामोनिशान

तेल अवीव । इजरायल अब हमास को केवल गाजा पट्टी से नहीं बल्कि पुरी दुनिया के कोने-कोने से खत्म करने की ठान ली है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की जासूसी एजेंसी मोसाद को दुनिया के किसी भी कोने में छिपे हमास के आतंकियों को खत्म करने का दिशानिर्देश जारी किया है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए इजरायली प्रधान मंत्री ने कहा कि मैंने मोसाद को हमास के प्रमुखों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जहां वे हैं। अधिकांश हमास का शीर्ष नेतृत्व गाजा पट्टी में नहीं बल्कि मुख्य रूप से कतर की राजधानी और लेबनान की राजधानी बेरुत और खाड़ी राज्यों में रहते हैं। पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी आतंकवादियों और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की विदेशों में हुई हत्याओं का आरोप मोसाद पर लगा हुआ है। बीते 7 अक्टूबर को हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर अचानक से हमला कर दिया, जिसका जवाबी कार्रवाई इजरायली सेना ने 8 अक्टूबर से शुरू की और आधिकारिक तौर पर जंग का ऐलान कर दिया। इसके बाद से अब तक गाजा में इजरायली सेना के हमले में 14 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं हमास के कई टॉप कमांडर भी ढेर हो गए हैं। साथ ही सेना ने हमास के हजारों ठिकानों को भी तबाह कर दिया है। इजरायली सेना गाजा पट्टी में एरियल स्ट्राइक के साथ-साथ ग्राउंड अटैक भी तेज कर रखा है। इस बीच मध्यस्थता करने के चलते इजरायल-हमास के बीच चार दिवसीय सीजफायर लागू किया गया है। इस दौरान दोनों तरफ से बंधक रिहा किए जाएंगे।

दुनियाभर के हिंदुओं को जोड़िए, फिर दुनिया से जुड़िए: संघ प्रमुख मोहन भागवत

बैंकॉक (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के साथ प्रयोगों के बाद लड़खड़ा रही दुनिया को प्रसन्नता और संतोष का मार्ग भारत दिखाएगा।

थाइलैंड की राजधानी में तीसरी विश्व हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भागवत ने दुनियाभर के हिंदुओं से अपील की कि वे एक दूसरे से जुड़ें और मिलकर दुनिया से कड़ी जोड़ें। उन्होंने दुनियाभर से आए विचारकों, कार्यकर्ताओं, नेताओं और उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें हर हिंदू तक पहुंचना होगा, संपर्क साधना होगा। सभी हिंदू मिलकर दुनिया में सभी से संपर्क साधेंगे। हिंदू अधिक से अधिक संख्या में जुड़ रहे हैं और दुनिया के साथ जुड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।''

भागवत ने कहा कि दुनिया, खासतौर पर कोविड महामारी के बाद यह मान चुकी है और आम-सहमति से यह बात सोच रही है कि भारत प्रसन्नता और संतोष का मार्ग दिखाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के साथ प्रयोग करते हुए लड़खड़ा रही है और प्रसन्नता की तलाश में

वह हिंदुत्व की ओर देख रही है। संघ प्रमुख ने कहा, ''आज का विश्व लड़खड़ा रहा है। 2,000 साल से उन्होंने खुशी, आनंद और शांति लाने के लिए अनेक प्रयोग किए हैं। उन्होंने भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद के प्रयोग किए हैं। उन्होंने अनेक धर्मों से जुड़े प्रयोग किए हैं। उन्हें भौतिक समृद्धि मिल गई है, लेकिन संतोष नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''कोविड महामारी के बाद उन्होंने पुनर्विचार करना शुरू किया। अब ऐसा लगता है कि वे यह सोचने में एकमत हैं कि भारत रास्ता दिखाएगा।''

भागवत ने कहा, ''हमें सभी के पास जाकर संपर्क करना होगा, उनसे जुड़ना होगा और अपनी सेवाओं से उन्हें अपनी ओर लाना होगा। हमारे पास उमंग है। हम निस्वार्थ सेवा के मामले में दुनिया में अग्रणी हैं। यह हमारी परंपराओं और मूल्यों में है। इसलिए लोगों तक पहुंचिए और दिल जीतिए।'' इस तीन दिवसीय सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों को दुनियाभर में हिंदुओं के समक्ष आ रहीं चुनौतियों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलेगा। भागवत ने कहा कि हिंदुओं को 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का प्रसार करने में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा, ''इसके लिए हमें साथ आना होगा, साथ रहना होगा और साथ में काम करना होगा।''

भागवत ने कहा, ''सभी को दुनिया के लिए कुछ योगदान देना होगा। हमने अपनी विशेषता पहचान ली है। हमारे अंदर सभी के प्रति सम्मान है। हमारे पूर्वजों ने इसे पहचाना था लेकिन हम इस कौशल को भूल गए और टुकड़ों में बांट दिए गए और अधीन हो गए। अब हमें एक साथ आना होगा।'' उन्होंने कहा कि आक्रोश, घृणा, घृणा भरे भाषण, द्वेष और अहंकार लोगों को साथ में आने से रोकते हैं और समाज या संगठन को तोड़ देते हैं। वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद ने शंख बजाकर सम्मेलन की शुरुआत की। इसमें 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

हमास के खिलाफ कम से कम दो महीने युद्ध चलने की उम्मीद: इजरायली रक्षा मंत्री

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि दोनों पक्षों द्वारा शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय मानवीय विराम के बावजूद हमास के साथ देश का युद्ध कम से कम दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

सीएनएन ने गुरुवार को इजरायली सैनिकों का दौरा करते समय गैलेंट के हवाले से कहा, 'यह एक संक्षिप्त विराम होगा। जब यह खत्म होगा, तो लड़ाई जोरदार ढंग से जारी रहेगी और दबाव बनेगा जिससे अधिक बंधकों की वापसी हो सकेगी।' उन्होंने कहा, 'कम से कम दो महीने और लड़ाई की उम्मीद है।' इजरायली सेना ने कहा है कि बंधकों को सौंपने की प्रक्रिया 'जटिल' होगी, चेतावनी दी गई है कि किसी भी समय सौदे में बदलाव हो सकते हैं। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि किसी भी चीज को तब तक अंतिम रूप नहीं दिया जाता जब तक वह वास्तव में घटित न हो जाए। उन्होंने कहा, 'और इस प्रक्रिया के बीच भी, परिवर्तन किसी भी समय हो सकते हैं।' प्रवक्ता ने यह भी पुष्टि की कि इजरायली सेना इस समय गाजा पट्टी में लड़ाई जारी रखे हुए है, यह इंगित करते हुए कि एक बार विराम प्रभावी हो जाने पर, आईडीएफ सैनिक पट्टी के अंदर स्थापित संघर्ष विराम रेखाओं पर तैनात किए जाएंगे। आईडीएफ के एक प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि संघर्ष विराम रेखा प्रभावी रूप से इजरायली सैनिकों को उत्तरी गाजा में रखती है, और लड़ाई में विराम के दौरान वे दक्षिण की ओर नहीं बढ़ेंगे। बंधकों और लापता व्यक्तियों के लिए देश के समन्वयक गैल हिर्श ने एक बयान में कहा, इस बीच, इजरायल ने उन बंधकों के परिवारों को सूचित कर दिया है जिन्हें शुक्रवार को रिहा किया जाना है।

हिर्श ने कहा, 'संपर्क अधिकारियों ने उन सभी परिवारों को सूचित कर दिया है जिनके प्रियजन सूची में शामिल हैं, साथ ही बंधकों के सभी परिवारों को भी सूचित कर दिया है।' इजरायल ने एक्सचेंज में रिहाई के योग्य 300 लोगों के नामों की एक सूची प्रकाशित की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले बंधकों की रिहाई की उम्मीद में एक ही परिवार के सदस्य शामिल होंगे। सीएनएन ने अल-अंसारी के हवाले से कहा, 'उनकी संख्या 13 होगी, सभी महिलाएं और बच्चे, और वे बंधक जो एक ही परिवार से हैं, उन्हें एक ही बैच में रखा जाएगा।'

पाकिस्तान ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध की पुष्टि की

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसने ब्रिक्स - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका ब्लॉक में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच के मीडिया ब्रीफिंग के हवाले से कहा, 'ब्रिक्स द्वारा समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति घोषित खुलेपन को देखने के बाद हमने यह निर्णय लिया है।' उन्होंने कहा कि समूह में शामिल होकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने और समावेशी बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के ब्रिक्स के अधिकांश सदस्यों के साथ-साथ देशों के नए आमंत्रित समूह के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने कहा, 卐हमें यह भी उम्मीद है कि ब्रिक्स समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप पाकिस्तान के अनुरोध पर आगे बढ़ेगा।卐 अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, ईरान, अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इस समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, और उनकी सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी।

यूक्रेन के पीएम, यूरोपीय संघ के अधिकारी ने सीमा नाकेबंदी पर की चर्चा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्मीहल ने कहा है कि उन्होंने कुछ यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के साथ यूक्रेनी सीमा की नाकेबंदी पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। श्मीहल ने फेसबुक पर लिखा, यूक्रेन ने इस मुद्दे पर यूरोपीय संघ को अपने प्रस्ताव की रूपरेखा दी है और समस्या के समाधान में यूरोपीय आयोग की मदद पर भरोसा कर रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि यूक्रेन अपने निर्यात और आयात के लिए वैकल्पिक लॉजिस्टिक मार्ग भी तेजी से विकसित कर रहा है। पोलैंड के मालवाहक यूक्रेनी सीमा पर कई चौकियों पर 6 नवंबर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाले यूक्रेनी मालवाहकों के लिए परमिट की व्यवस्था की जाय। प्रदर्शनकारियों ने क्रॉसिंग पॉइंट के पास सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है, जिसके चलते लंबी कतारें लग गईं और हजारों ट्रक सीमा पर रुके रहे। गुरुवार को, यूक्रेन ने पोलैंड के विदेश मंत्रालय को एक आधिकारिक नोट भेजा, जिसमें दो यूक्रेनी ट्रक ड्राइवरों की कतार में मौत के बाद सीमा को तत्काल हटाने की मांग की गई। मंगलवार को यूक्रेनी ड्राइवरों के लिए परमिट वापस करने की मांग करने वाले स्लोवाकिया के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, जिससे स्लोवाकिया और यूक्रेन के बीच एक प्रमुख सीमा अवरुद्ध हो गई।

दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु को निशान-ए-पाकिस्तान सम्मान

-डॉ सैयदना सैफुद्दीन यह सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय बने

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मुंबई से संचालित इस्लाम के दाऊदी बोहरा समाज के प्रमुख डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-पाकिस्तान' प्रदान किया जाएगा। इसी के साथ डॉ सैफुद्दीन पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय होंगे।

जानकारी अनुसार पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अपने एक बयान में कहा है कि यह पुरस्कार डॉ सैफुद्दीन की सेवाओं की प्रशस्ति के रूप में दिया जा रहा है। राष्ट्रपति अल्वी

ने बुधवार को राष्ट्रपति अल्वी ने संविधान और सम्मान अधिनियम 1975 के अनुच्छेद 259 (2) के तहत पुरस्कारों की घोषणा की। फिलहाल पुरस्कार समारोह की तारीख घोषित नहीं की गई है।

बताया गया है कि 'निशान-ए-पाकिस्तान' या 'ग्रांड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ पाकिस्तान' राष्ट्रीय हित में सर्वोच्च सम्मान वाली सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है। यह पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। सम्मान समारोह के संबंध में बताया जाता है कि सामान्य रूप से प्रत्येक साल पुरस्कार की घोषणा पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को ही की जाती है और अगले वर्ष पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस 23 मार्च पर सम्मान प्रदान किया जाता है।

डॉ सैफुद्दीन से पहले 'निशान-ए-पाकिस्तान' से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय के तौर पर मोरारजी देसाई का नाम सामने आता है। उन्हें सन 1990 में यह सम्मान दिया गया था। इसके बाद 1998 में अभिनेता दिलीप कुमार को कला और संस्कृति के क्षेत्र में दिया जाने वाला पाकिस्तान का सर्वोच्च पुरस्कार 'निशान-ए-इम्तियाज' प्रदान किया गया था। इसी प्रकार साल 2020 में कश्मीरी अलगाववादी नेता अली गिलानी को 'निशान-ए-पाकिस्तान' से नवाजा गया।

चीन में फिर से फैल रही रहस्मय बीमारी, डब्ल्यूएचओ ने चीन से मांगी रिपोर्ट

-कोरोना के दौरान हो गई थी गलती

जिनेवा (एजेंसी)। कोरोना के बाद चीन में फिर से एक नई रहस्मय बीमारी की खबर आ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने उत्तरी चीन में निमोनिया के प्रकोप के बारे में बीजिंग से अधिक जानकारी मांगी है। बीमारी से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा, डब्ल्यूएचओ ने सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि और बच्चों में निमोनिया के समूहों की रिपोर्ट पर विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक अनुरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर पिछले तीन सालों से दिसंबर महीने में चीन में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों में भारी वृद्धि हुई है, वह भी उस समय जब यहां पर जीरो-कोविड नीति सख्ती से लागू थी। चीन ने जीरो-कोविड नीति को पिछले साल दिसंबर में समाप्त कर दिया था।

डब्ल्यूएचओ ने बताया, चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि सांस संबंधी बीमारियों की घटनाओं में तेजी आई है। इसका प्रमुख कारण रहा है, कोविड-19 को रोकने के उपायों में ढिलाई देना। रिपोर्ट के अनुसार, कोविड की रोकथाम में ढिलाई देने की वजह से न केवल कोविड से संबंधित बीमारियों में इजाफा हुआ बल्कि इन्फ्लूएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया (एक सामान्य जीवाणु संक्रमण जो आम तौर पर छोटे बच्चों को प्रभावित करता है), और श्वसन सिंकाइटियल वायरस जैसी बीमारियों में भी इजाफा हुआ है।

एक ऑनलाइन चिकित्सा समुदाय प्रो-मेड, जिसने 2019 में वुहान में फैल रही एक बीमारी की पहचान की थी। बाद में इस कोविड-19 के रूप में पहचाना गया। इसी समूह ने फिर से उत्तरी चीन से आ रही अज्ञात निमोनिया मीडिया रिपोर्टों की बढ़ती संख्या ध्यान खींचा। मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि बीजिंग, लियाओनिंग और उत्तर के अन्य स्थानों पर चाइल्ड हॉस्पिटल्स बीमार बच्चों से भरे पड़े थे, जबकि कुछ रिपोर्ट में बताया गया कि निमोनिया से बीमार बच्चों के माता-पिता ने अधिकारियों पर महामारी को छुपाने का आरोप लगाया है। प्रोमेड ने बताया कि संबंधित बीमारी के बारे में चीन को निश्चित रूप से जानकारी जरूरी थी, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने वर्तमान स्थिति का अधिक ब्यौरा मांगा है।

मालूम हो कि 2019 के अंत में आए कोविड-19 महामारी को पहले एक अज्ञात निमोनिया के रूप में लेबल दिया गया था। बीमारी का आनुवंशिक कोड को इससे पहली मृत्यु के बाद जनवरी 2020 में सार्वजनिक किया गया था। डब्ल्यूएचओ मार्च 2020 में कोविड वायरस के

तेजी से प्रसार और बीजिंग की निष्क्रियता पर चिंतित हो गया था। परिणामस्वरूप मार्च 2020 में एक महामारी की घोषणा की गई।

संपादकीय

परिचय संस्कारों का

अगर हमारे संस्कार अच्छे व पुष्ट है तो हम किसी के भी गलत बोलने या कहने सुनने से विचलित नहीं होते है । यह हमारा आचरण ही संस्कारों का परिचय देता है । आज प्राय: हर घर परिवार की चिंतनीय स्थिति है इसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में अहम भूमिका हम सबकी है। समय रहते इस पर चिंतन की महत्वपूर्ण भूमिका की आवश्यकता है । यह बहुत मार्मिक और यथार्थ है हर घर परिवार की। अब तो जैसे पानी सिर से ऊपर चला गया हो वो स्थिति है,ब बुजुर्ग बच्चों के सामने मौन रहे तो ठीक है ,नहीं तो 2 टुक बात तक ही नहीं , घर में हंगामा होने की स्थिति बन जाती है। हमने अपने पांवों पर स्वयं कुल्हा चलाई है अपनी अज्ञानतावश या बाहरी परिवेश में बहकर इसके बदतर परिणाम तो और भयावह होंगे। मौन ही सब बीमारियों की दवा है । ऐसा प्रतीत होता है। आज हमको इस दर्दनाक स्थिति के चिंतन का जो प्रेणादायक त्यागी सन्तों के सन्देश है उस पर सबके सम्मुख बहुत विचार -विमर्श करने की अपेक्षा है । हम सबको और अपनी भूल सुधार की भी अपेक्षा है। और जो होगा अच्छा ही होगा ,इस बात पर गौर कर विधायक चिंतन से कुछ कर पाएं ,वो करने का प्रयास करें अलबत्ता मौन रहें ।संस्कार इंसान के सच्चे आभूषण है जिनसे उसकी शोभा बढ़ती है ।बाहरी सौंदर्य श्रृंगार सजाने के आभूषणों की बाढ़ार में कोई कमी नही लेकिन संस्कार से गुणों के सौंदर्य से खुद को सजाना है । ऊँचा होने का गुमान और छोटा होने का मलाल बेकार है। कहते है कि पूरी दुनिया जीत सकते है हम संस्कार से और जीता हुआ भी हार जाते है अहंकार से इसलिये इसका दमन बेहद ज़रूरी हैं । शरीर में कोई सुन्दरता नहीं है/ सुन्दर होते हैंव्यक्ति के कर्म, उसके विचार , उसकी वाणी ,उसका व्यवहार , उसके संस्कार और उसका चरित्र 7 जिसके जीवन में यह सब कुछ है वही इसान दुनिया का सबसे सुन्दर शख्स है/

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

जरूरी मुद्दों के प्रति भी जगे ये जुनून

विश्वनाथ सचदेव

चर्चा तो रहेगी विश्व कप क्रिकेट में भारत के हारने की, पर क्रिकेट का बुखार कुछ उतरता लग रहा है। विश्व कप में लगातार दस मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारना हमारे लिये एक पीड़ादायक झटका था, इसमें कोई संशय नहीं। जिस तरह का जुड़ाव हमारे देश में क्रिकेट से है, और फाइनल मुकाबले से पहले जिस तरह का क्रिकेट का बुखार देश पर छा गया था वह अविश्वसनीयता की हद तक अपने आप में एक अनावश्यक जुनून ही था। बहरहाल, अब विश्व कप मुकाबले का बुखार उतर गया है, हमारी टीम इस मुकाबले में जीत नहीं पायी। जीत जाती तो बहुत अच्छा था, और हार पर थोड़ा गम होना स्वाभाविक है। हारने के कारणों पर कुछ अर्से तक बहस भी चलती रहेगी, पर बहस इस विषय पर भी चलनी चाहिए कि जिस तरह का जुनून क्रिकेट को लेकर छा गया था, उसे किस सीमा तक उचित कहा जा सकता है। निस्संदेह, खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज क्रिकेट हमारे देश में सर्वाधिक लोकप्रिय खेल बन चुका है, यह भी सही है। कभी हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल हुआ करता था, आज क्रिकेट है। कुछ लोग तो क्रिकेट को भारत का धर्म भी कहने लगे हैं। उस दिन जब अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल मैच खेला जा रहा था तो अपने मोहल्ले में बड़े पर्दे पर मैच देखने वाले युवाओं से मैंने भारत की हॉकी टीम के कप्तान का नाम पूछ लिया था। उनमें से एक को भी हमारी हॉकी टीम के कप्तान का नाम नहीं पता था। खिलाड़ियों के भी दो-तीन नाम ही बता पाये थे वे। क्रिकेट मैच के सारे आंकड़े उनकी ज़ुबान पर थे। क्रिकेट के बारे में यह ज्ञान कतई ग़लत नहीं है, पर क्रिकेट के प्रति बावलेपन पर तो सवाल उठना ही चाहिए। अहमदाबाद के इस मैच से पहले देशभर में भारत की जीत के लिए प्रार्थनाएं की जा रही थीं। हवन हो रहे थे। पूजा-आरती हो रही थी। यह सही है कि इस सब का मुकाबला के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा, पर जीत के लिए अपने-अपने आराध्य को रिझाने की कोशिश तो की ही गयी थी। इसे लेकर मेरे मन में तब भी एक सवाल उठा था, अब भी उठ रहा है। जिस भक्ति-भाव से हमने क्रिकेट मैच में जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की थी, वह भक्ति-भाव उन 41 मज़दूरों के लिए क्यों नहीं उमड़ा जो पिछले 12 दिन से उत्तराखंड की सिल्क्यारा डंडालगांव टनल में हुए हादसे में फंसे पड़े हैं और जिंदगी-मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इन अभागे मज़दूरों के प्रति देश में सहानुभूति नहीं है, पर उनके लिए क्यों नहीं पूजा-आरती हुई, क्यों किसी को कोई हवन कराने की नहीं सूझी? ऐसा नहीं है कि इन मज़दूरों के बचाव के लिए प्रयास नहीं हो रहे, सरकार का दावा है कि इन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है, उम्मीद की जानी चाहिए कि यह प्रयास सफल होंगे, अभागे मजदूर फिर से खुली हवा में सांस ले पाएंगे। लेकिन यह सवाल तो बनता ही है कि क्रिकेट की जीत इनके जीवन से अधिक महत्वपूर्ण क्यों मानी गयी? सवाल सिर्फ इकतालीस मज़दूरों के जीवन का ही नहीं है, सवाल क्रिकेट में हार-जीत का भी नहीं है, सवाल है उस मानसिकता का जो गैर-जरूरी मुद्दों के पक्ष में खड़ा होने के लिए प्रेरित करती है और सही मुद्दों के प्रति एक आपराधिक उपेक्षा का भाव जगाती है। लगभग छह महीने हो चुके हैं मणिपुर में हिंसा की आग थमी नहीं है। अब तो हम यह भी भूलने लगे हैं कि मणिपुर की सड़कों पर कुछ स्त्रियों के साथ वह हरकत की गई थी जिसे सिर्फ वहशीपना ही कहा जा सकता है। क्रिकेट के मुकाबले में हारने के बाद खिलाड़ियों को दिलासा देने वालों को क्यों यह ज़रूरी नहीं लगा कि ऐसा ही दिलासा मणिपुर की उन महिलाओं को भी दिये जाने की आवश्यकता है जिनकी अस्मिता को तार-तार कर दिया गया था? 'हम तुम्हारी जीत में भी तुम्हारे साथ होते हैं, और तुम्हारी हार में भी तुम्हारे साथ हैं', ऐसा कोई वाक्य मणिपुर के उन अभागों के प्रति क्यों नहीं उमड़ा जिन्हें उनके घर-द्वार से निकाल दिया गया था और जो आज भी शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हैं? जब अहमदाबाद में क्रिकेट के मुकाबले की तैयारी चल रही थी, सारे शहर को सजाया जा रहा था तब अयोध्या में दिवाली का एक रिकॉर्ड बनाया जा रहा था। दिवाली के अवसर पर वहां इस बार बाईस लाख दीये जलाकर एक नया कीर्तिमान बनाया गया था। पिछले साल भी वहां ऐसा ही एक कीर्तिमान बना था। इस बार नया रिकॉर्ड बना। अगली दिवाली पर शायद और नया बनेगा। इन कीर्तिमानों की बात तो हम आज कर रहे हैं, पर इस बात की चर्चा कहीं क्यों नहीं हो रही कि दीयों का कीर्तिमान बनाये जाने वाली उस रात में वहां कुछ अभागे बच्चे- कुछ नहीं बहुत सारे- बुझते दीयों का बचा हुआ तेल अपने बर्तनों में भर रहे थे, ताकि उनकी दिवाली में भी कुछ स्निग्धता आ सके! उन्हें यह करते हुए दिखाने वाले कुछ चित्र मीडिया में भी आये थे। कुछ लोगों का कहना है कि यह चित्र पिछले साल के थे। यदि ऐसा है तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि जीवन की यह विवशता हमें तब क्यों नहीं दिखती जब हम कीर्तिमान स्थापित करने में लगे होते हैं? दीयों का तेल उठाने की व्यवस्था दिखाने वाले इन चित्रों से हमें इस बात की प्रेरणा क्यों नहीं मिलती कि बाईस लाख अंधियारे घरों के दरवाजों पर दीपक जलाया जाये? वह भी तो एक कीर्तिमान ही होता- शायद और भव्य और सार्थक कीर्तिमान! इस स्थिति का सीधा संबंध सही मुद्दों को उठाने और सही के पक्ष में खड़े होने से है। विश्व कप क्रिकेट में जीतने के लिए अपनी टीम के लिए कामना करना, दुआ करना, ग़लत नहीं है। पर जिस तरह इस जीत-हार को राष्ट्रवाद से जोड़ दिया जाता है, उसे सही नहीं कहा जा सकता। हमारी टीम जीत जाती, अच्छा लगता। हार गयी, बुरा लगा। पर यह बात और बुरी लगनी चाहिए कि जब हम क्रिकेट में जीत के लिए प्रार्थना-पूजा कर रहे थे तो हमें यह याद नहीं आया कि हवन में एक आहुति उन मज़दूरों की जीवन-रक्षा के लिए भी दी जानी चाहिए थी जो उत्तराखंड की उस सुरंग में एक-एक सांस के लिए तरस रहे हैं। आइए, एक आहुति इन मज़दूरों के सकुशल सुरंग से बाहर निकलने के लिए दी जाये। सैकड़ों घंटे हो चुके हैं उन्हें जीवन के लिए लड़ते हुए। बाहर जो जानकारी आ रही है, उसके अनुसार अब उनमें अवसाद और ट्रॉमा के लक्षण दिखने लगे हैं। जीवन में कहीं भी हो, अवसाद मिटना चाहिए। इसके लिए ज़रूरी है हम सही मुद्दों के पक्ष में खड़े हों। विकास के सारे दावों के बावजूद इस बात से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि देश का श्रमिक आज भी एक आपराधिक उपेक्षा को सह रहा है। इस उपेक्षा में वह संवेदनहीनता भी शामिल है जो हमारे सोच का हिस्सा बनती जा रही है। इस संवेदनहीनता से बचना होगा। उबरना होगा।

धनी देशों की मनमानी से गहराता संकट

गर्म होती धरती/ वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2015 के पेरिस समझौते के अंतर्गत पृथ्वी के तापमान को शताब्दी के अंत तक पूर्व औद्योगिक काल के औसत से 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने का लक्ष्य था। प्रयास अगर हो सके तो इसे 1.5 सेंटीग्रेड तक सीमित करना था। चिंताजनक यह है कि 2023 में तापमान औसत बढ़ा ही है और 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की यह सीमा भी टूटी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस समय को जलवायु आपातकाल कहते हैं। दिल्ली सम्मेलन में भी गुटेरेस गत नौ सितम्बर, 2023 को संयुक्त राष्ट्रसंघ क्लाइमेट व एनवायरन्मेंट सेशन में चेता गये थे कि इस जलवायु आपदाकाल पर तुरंत काम किया जाना चाहिए। महासचिव लगातार कह रहे हैं कि अब और तेल निकालना बंद किया जाना चाहिए। नये तेल उत्पादन के लिये न तो लाइसेंस दिए जाएं और न ही फंडिंग की जानी चाहिए। गत वर्ष जारी राष्ट्रसंघ की यूनाइटेड एमिशन गैप रिपोर्ट के अनुसार पेरिस जलवायु समझौता प्रभावी रहे, इसके लिए 23 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड की कटौती जरूरी है। अभी विभिन्न देशों के राष्ट्रीय स्तर पर तय सारे उत्सर्जन कटौतियों के शपथों को जोड़ा जाये तो कुल उत्सर्जन कटौती दो से तीन अरब टन की ही आती है। देशों ने अपने-अपने उत्सर्जन कटौती लक्ष्य आखिरी बार 2020 में घोषित किये थे। अब उन्हें यह 2025 में करना है। विकसित देशों में भी जलवायु बदलाव के कारण अप्रत्याशित बेमौसमी, बाढ़ें, लू के थपेड़े, तूफान आपदाएं आई हैं। किन्तु विकसित देश आज भी जीवाश्म ईंधनों के फेजआउट का समर्थन नहीं करते हैं। फेजडाउन की बात भी आधी-अधूरी ही होती है। अनुमानत: उत्तर के पांच मुख्य विकसित देश- अमेरिका, कनाडा इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया व नार्वे वो देश हैं जहां 2050 तक आधे से ज्यादा नये तेल व गैस के कुएं खोदे जायेंगे। भारत व चीन में भी तेल व कोयला दोहन बढ़ोतरी पर है। विश्व बैंक ने भी हाल में ही इंडोनेशिया की एक बड़ी कोयला परियोजना को धन मंजूर किया है। पृथ्वी का तापमान लगातार वृद्धि पर है इसलिये फॉसिल फ्यूल्स रोकने को लेकर वैश्विक जन दबाव भी बढ़ रहा है। आज पूरे विश्व में लाखों क्लाइमेट एक्टिविस्ट सक्रिय हैं। विश्व के राजनेताओं पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्वी एशिया में जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर पूर्ण पाबंदी की मांग को लेकर प्रदर्शन व रैलियां निकाल, नये तेल व गैस के कुओं के खोदने का विरोध किया गया। सबसे ज्यादा चर्चित प्रतिरोध न्यूयार्क के रहे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा 20 सितम्बर, 2023 को यूएन मुख्यालय न्यूयार्क में आयोजित विशेष नई क्लाइमेट एम्बिशन समिट पर दबाव बनाने के लिए वहां 10 सितम्बर से ही मार्च टू एण्ड फॉसिल फ्यूल्स प्रदर्शन आरंभ हो गये थे। मिडटाउन व मैनहैटन में रैलियां हुईं। जो बाइडेन नये जीवाश्म ईंधन प्रोजेक्टों को अनुमति देने हेतु निशाने पर रहे। 17 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के नगर न्यूयार्क में भी मार्च टू एण्ड फॉसिल फ्यूल्स आयोजित हुआ। इसको चार सौ वैज्ञानिकों व पांच सौ से ज्यादा संगठनों का समर्थन था। फिलहाल लग यही रहा है कि राजनेताओं पर इन दबावों का असर नहीं पड़ा। उलटे प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई हुई। 25 नवम्बर, 2022 को भी स्वीडन में युवकों ने अपनी संस्था अरोरा के माध्यम से प्रदर्शन करते हुए स्वीडन सरकार पर यह आरोप लगाया कि जलवायु विषयों पर कुछ नहीं कर रही है, एक मुकदमा भी दर्ज किया था। ऐसा उस देश की न्यायिक प्रणाली में पहली बार हुआ, इसमें ग्रेटा थुनबर्ग भी थीं। न्यूयार्क में क्लाइमेट एक्टिविस्ट ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव भी अपनी नैतिक शक्ति का उपयोग कर राजनेताओं पर लगातार दबाव बढ़ा रहे थे। उन्होंने कहा कि नई क्लाइमेट एम्बिशन समिट में केवल वे ही नेता बोलेंगे जो पृथ्वी को बचाने के लिए गंभीर हैं। बड़े देशों को इस जलवायु विमर्श में आमंत्रित नहीं किया गया। इसमें चीन, अमेरिका व भारत सूचीबद्ध नहीं थे। विकसित देश टेक्नोलॉजी और आर्थिक स्थितियों के कारण फॉसिल ऊर्जा को त्यागने की बेहतर स्थिति में हैं। किन्तु वे ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। विकसित देशों की संवेदनहीनता देख महासचिव गुटेरेस ने इन देशों को पृथ्वी को तोड़ने वाला कहा था। पोप फ्रांसिस भी कई सालों से पृथ्वी के हित में नैतिक ताकत बने हुए हैं। पोप 2015 के पेरिस समझौते के पहले ही तेल कम्पनियों व एक्टिविस्टों को जलवायु आपातकाल के प्रति चेता चुके थे। गत 4 अक्तूबर, 2023 को पोप फ्रांसिस ने कहा कि दुनिया को जलवायु संकट से निपटने के लिए बहुत बड़े बदलावों को करना होगा। निःसंदेह, 30 नवम्बर से 12 दिसम्बर, 2023 तक बड़े तेल उत्पादक यूएई की मेजबानी में दुबई होने वाली कॉप-28 को लेकर एक्टिविस्टों की चिंता बढ़ी है। यूएई तेल उपयोग कटौती के बजाय तकनीकों से इसके विस्तार का समर्थक है। अतः इसमें जीवाश्म ईंधनों पर रोक का निर्णय तो नहीं ही आयेगा।

विचार मंथन

हाईकमान संस्कृति से राजनीतिक दलों का लोकतंत्र कागजों पर

(लेखक- सनत जैन)

संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी जिन राजनीतिक दलों की है। वहीं राजनीतिक दल लोकतांत्रिक व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं। जिसके कारण राजनीतिक दलों का लोकतंत्र अब केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। राजनीतिक दलों में हाई कमान संस्कृति और अधिनायकवादी होने के कारण राजनीतिक दलों के अंदर लोकतंत्र मजाक बनकर रह गया है। भारत में राजनीतिक दलों को प्राथमिक सदस्य बनाने चाहिए। वार्ड स्तर पर और ब्लॉक स्तर पर सदस्यों द्वारा पदाधिकारी का चुनाव करना चाहिए। यही निर्वाचित प्रतिनिधि जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी का निर्वाचन करते हैं। इसी तरह से जब निर्वाचित प्रतिनिधि चुनकर आते हैं, तो वह अपना नेता चुनते हैं। जो संगठन के विभिन्न पदों की जिम्मेदारी समालना है। संवैधानिक संस्थाओं का अध्यक्ष, महापौर, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनने की प्रक्रिया भी यही है। निर्वाचित होने के बाद राजनीतिक दल की जिम्मेदारियां का निर्वहन करता है। पिछले तीन-चार दशकों में लगभग-लगभग प्रत्येक राजनीतिक दल में आंतरिक लोकतंत्र की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। लगभग सभी राजनीतिक दलों में हाईकमान संस्कृति काफी मजबूत होकर उभरी है। हाईकमान के निर्देश और इशारे पर महत्वपूर्ण पदों पर उनके इच्छित व्यक्ति की नियुक्ति हो जाती है। सदस्यता और निर्वाचन लगभग खत्म हो गया है। रही-सही कसर दल बदल कानून ने पूरी कर दी है। जिसमें सदन के अंदर विहिप जारी करके किसके पक्ष में मतदान करना है, यह बता दिया जाता है। भले ही सदस्य की मत देने की इच्छा हो या ना हो सहमत हो या ना हो, लेकिन उसे अनिवार्य रूप से पार्टी हाईकमान की इच्छा के अनुरूप मतदान करना ही पड़ता है। अन्यथा उसकी सदस्यता समाप्त हो जाती है। दल-बदल कानून आने के बाद राजनीतिक दलों का आंतरिक लोकतंत्र लगभग लगभग समाप्त हो गया है। राजनीतिक दलों में खुले संवाद की संस्कृति लोप हो गई है। कांग्रेस में संवाद एवं निर्वाचन की यह संस्कृति स्वतंत्रता के समय से लेकर 1980 के दशक तक देखने को मिली। लेकिन अब कांग्रेस में भी यह संस्कृति लगभग-लगभग समाप्त हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी में यह संस्कृति कभी नहीं रही। संगठन के प्रमुख पदाधिकारी, आम सहमति के नाम पर कागजों पर पदाधिकारी बना लिए जाते हैं। जो भी व्यक्ति उसका विरोध करने की पहल करता है, उसकी सूरज समय के पहले ही डूब जाता है। किसी भी राजनीतिक दल में, असहमत होने की दशा में राजनीतिक कैरियर पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाता है। कांग्रेस पार्टी में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस में हुए विभाजन के बाद यह संस्कृति बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ी। 1980 तक आते-आते वार्ड स्तर पर सदस्यों का बनना लगभग बंद हो गया। पदाधिकारी का चयन भी नेताओं के इशारे पर होने लगा। जिला स्तर प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी भी इसी तरीके से निर्वाचित होना शुरू हो गए। भारतीय जनता पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी केडर बेस पार्टी होने के कारण यहां पर चुनाव का कोई मतलब ही नहीं था। लेकिन अनिवार्यता होने के कारण कागजों पर इनका चुनाव करा लिया जाता था। पिछले 50 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। उन क्षेत्रीय दलों में भी लगभग लगभग यही स्थिति देखने को मिलती है। अमेरिका और यूके जैसे देशों में आज भी राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था बड़ी मजबूत है। वहां पर पार्टी के अंदर मुद्दों पर वाद-विवाद होता है। मुद्दों के आधार पर मत विभाजन की प्रक्रिया है। जिसके कारण अमेरिका और यूको जैसे देशों में आज भी लोकतांत्रिक व्यवस्था भारत की तुलना में कई गुना ज्यादा मजबूत है। अमेरिका और यूके के किसी भी राजनीतिक दल में एक अधिकार और हाईकमान संस्कृति नहीं पनप पाई। दल-बदल कानून के बाद भारत में दरबारी संस्कृति को बड़ी तेजी के साथ बढ़ावा मिला। निर्वाचित प्रतिनिधि को विहिप के आधार पर ही मतदान करना पड़ता है। यहीं से लोकतांत्रिक व्यवस्था की समाप्ति शुरू हो गई।

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी

भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्धता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है। इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है। रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं। एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्न + थायरम 50त्न के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है। रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं। पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं। फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप। दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है। शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है। प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं। साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं। इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए।
- रोग की प्रारंभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्न की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए।
- रोगरोधी किस्में जैसे :- पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

चीन में लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का सीईओ गिरफ्तार

बीजिंग । जैक मा और जिम्मी लाई सहित कई बड़े कारोबारियों के बाद अब पुलिस ने एक प्रमुख चीनी वीडियो गेम लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डीओयूवाययू के सीईओ को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चेन शाओजी के रूप में हुई। डीओयूवाययू ने मंगलवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसके प्रमुख चेन शाओजी को दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदू में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने कहा कि उसे गिरफ्तारी की सूचना दी गई। एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार चीनी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में चेंग्दू में पुलिस ने कहा कि चेन नाम के एक 39 वर्षीय व्यक्ति को कैसीनो खोलने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। चीन के साइबरस्पेस प्रशासन द्वारा कथित अश्लील साहित्य और अश्लील सामग्री सहित प्लेटफ़ॉर्म से संबंधित गंभीर समस्याओं की जांच के लिए डीओयूवाययू का ऑनसाइट निरीक्षण शुरू करने के लगभग पांच महीने बाद चेन की गिरफ्तारी हुई।

जल्द ही बाजार में मिलेगी कोका-कोला की आर्ग निक चाय

नई दिल्ली । बेवरेज कंपनी कोका-कोला इंडिया ने रेडी-टू-ड्रिंक टी बेवरेज सेगमेंट में भी प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने ऑनेस्ट टी के नाम से प्रॉडक्ट को लॉन्च कर लिया है। इसके लिए कंपनी ने रेडी-टू-ड्रिंक आइस्ड ग्रीन टी के लिए लक्ष्मी ग्रुप के प्रतिष्ठित दार्जिलिंग चाय एस्टेट, मकईबारी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। ब्रांड ऑनेस्ट टी का स्वामित्व कोका-कोला कंपनी की सब्सिडियरी कंपनी होनेस्ट के पास है। बता दें कि यह दो फ्लेवर में नींबू-तुलसी और आम में मिलेगा। ये एक तरह की ऑर्गेनिक चाय होगी। बोतलबंद आइस्ड ग्रीन टी को औपचारिक रूप से 22 नवंबर को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के दूसरे और समापन पर लॉन्च किया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पाद के लिए ऑर्गेनिक ग्रीन टी कोलकाता स्थित लक्ष्मी टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के मकाईबारी टी एस्टेट से ली जाएगी। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के सातवें एडिशन में दोनों कंपनियों के बीच इस संबंध में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि लॉन्च के पीछे का मकसद उपभोक्ताओं को व्यापक बेवरेज ऑपशन देना था। उन्होंने जानकारी दी कि आइस्ड ग्रीन टी नींबू-तुलसी और आम के वेरिएंट में आएगी।

लखनऊ में मूवी टिकट होंगे महंगे

लखनऊ। लखनऊ में मूवी लवर्स वालों के लिए बुरी खबर है। लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) ने राजस्व बढ़ाने के लिए शहर के सिनेमाघरों पर अधिक कर लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। फिलहाल प्रति शो 25 रुपये नगर निगम टैक्स वसूला जाता है, लेकिन निगम ने इसे बढ़ाकर करीब 100 रुपये करने का प्रस्ताव रखा, जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। मेयर सुषमा खरकवाल ने गुरुवार को कहा, सिनेमा हॉल पर टैक्स की समीक्षा कई सालों से नहीं की गई थी, इसलिए इसकी समीक्षा करना जरूरी है। रोजाना करीब 350 शो चलते हैं। अधिकारियों ने कहा कि अगर कर दरें बढ़ाई गईं तो एलएमसी चार गुना अधिक राजस्व अर्जित करेगी। यूपी सिनेमा फेडरेशन के एक पदाधिकारी ने कहा, फैसला लेने से पहले कम से कम हमसे सलाह ली जानी चाहिए थी। इसका असर निश्चित तौर पर आम आदमी पर पड़ेगा। अगर सिनेमाघरों पर अधिक भुगतान करने के लिए दबाव डाला जाता है, तो उन्हें टिकट की कीमतें बढ़ानी होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण से पूछा, अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को विश्वसनीय कैसे मान लें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वकील प्रशांत भूषण से पूछा कि शीर्ष अदालत अडानी समूह की कंपनियों पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को कैसे विश्वसनीय मान सकती है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि शीर्ष अदालत को हमारी जांच एजेंसियों पर भरोसा करना होगा क्योंकि भूषण ने सेबी द्वारा की गई जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। हमारे पास सेबी की जांच पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है। सेबी एक वैधानिक निकाय है जिसे शेयर बाजार के उल्लंघनों की जांच करने का काम दिया गया है। क्या उच्चतम न्यायालय के लिए यह उचित है - बिना किसी सामग्री के - हमारी खुद की एक एसआईटी का पुनर्गठन करना। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए भूषण ने शीर्ष अदालत से अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच के लिए किसी अन्य एसआईटी या विशेषज्ञों के समूह के गठन का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सेबी द्वारा तैयार जांच रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया गया है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, मिस्टर भूषण, उन्होंने (सेबी) जांच पूरी कर ली है। वे कह रहे हैं कि अब यह उनकी न्यायिक शक्ति में है। क्या सेबी को कारण बताओ नोटिस जारी करने से पहले जांच का खुलासा करना चाहिए? उन्होंने कहा कि जांच के तहत संस्थाओं को सुनवाई का अवसर दिए बिना सेबी अपराध का आरोप नहीं लगा सकती। सुनवाई के दौरान सेबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बाजार नियामक समय विस्तार की मांग नहीं कर रहा है और 24 में से 22 जांच को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है। शेष दो मामलों के संबंध में उन्होंने कहा कि रिपोर्ट अंतरिम प्रकृति की है और सेबी ने विदेशी एजेंसियों से जानकारी मांगी है और उसका समय सीमा पर कोई नियंत्रण नहीं है।सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार और सेबी को भविष्य में निवेशकों के नुकसान को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए।

प्रेस्टीज एस्टेट्स बेंगलुरु में 285 अपार्टमेंट बनाएगी

मुंबई (ईएमएस)। प्रेस्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि परियोजना के तहत सात लाख वर्ग फुट में दो ऊंचे टावर में 285 अपार्टमेंट बनाए जाएंगे हैं। इससे 550 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को बेंगलुरु में अपनी नई आवासीय परियोजना से 550 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। कंपनी ने बेंगलुरु के आईटी हब व्हाइटफील्ड के केंद्र में एक नया हाउसिंग प्रोजेक्ट प्रेस्टीज ग्लेनब्रुक पेश किया है। प्रेस्टीज एस्टेट्स को उम्मीद है कि आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के चलते चालू वित्त वर्ष 2023-24 में उसकी बिक्री बुकिंग 55 फीसदी बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की बिक्री बुकिंग 12,931 करोड़ रुपये रही थी।

स्मार्टफोन पर भोजन और किराने की डिलीवरी, डिजिटल भुगतान भारतीयों की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारत में एक औसत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अब सात मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहा है, इसमें डिजिटल भुगतान, भोजन और किराने की डिलीवरी पसंदीदा सेवाओं की सूची में सबसे ऊपर है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, सुविधा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनकर उभरी है, इससे मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग में वृद्धि हुई है। सीएमआर में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, उपभोक्ता हर खरीदारी में तीन चीजों की मांग करते हैं- विश्वसनीयता, भरोसा, सुविधा। अल्फा ब्रांड्स ब्रांड के उपयोगकर्ताओं, प्रमुख निर्णय निर्माताओं, नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) स्कोर, संतुष्टि के स्तर और समग्र ब्रांड ट्रस्ट भागफल सहित प्रमुख घटकों में उनके प्रदर्शन के आधार पर आए हैं। सीएमआर में उद्योग परामर्श समूह की वरिष्ठ प्रबंधक सुगंधा श्रीवास्तव ने कहा, विश्वास के साथ जुड़ी सुविधा सिर्फ एक जीत का फॉर्मूला नहीं है; यह आधुनिक व्यवसायों की जीवन रेखा है। श्रीवास्तव ने कहा, मोबाइल ऐप-आधारित ब्रांडों ने कहानी को फिर से लिखा है, उपभोक्ताओं के उत्पादों और सेवाओं को देखने और उनके साथ बातचीत करने के तरीके को नया आकार दिया है।

आईटी कंपनियों में गिरावट..... लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। जिससे सेंसेक्स 66 हजार अंक के नीचे बंद हुआ। आईटी कंपनियों के शेयरों में हाल में आई तेजी के बाद ताजा गिरावट के कारण बाजार में गिरावट दर्ज हुई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 47.77 अंक गिरकर 65,970.04 पर बंद हुआ। यह शुरूआती कारोबार में मामूली गिरावट के साथ 66,000.29 अंक पर खुला था और कारोबार के दौरान 65,894.05 अंक के निचले स्तर तक चला गया था।

इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 7.30 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट लेकर 19,794.70 पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 17 शेयर ग्रीन जबकि बाकी के लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एचसीएल टेंक के शेयर में सबसे ज्यादा 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई। साथ ही विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस,इंफोसिस जैसी आईटी कंपनियों और टाटा मोटर्स, रिलायंस, आईटीसी के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। दूसरी तरफ, बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में रौनक देखने को मिली है। एक्सिस बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 0.91 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा सहित स्टेट बैंक और एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर पॉजिटिव नोट में बंद हुए।

डॉलर के मुकाबले रुपया

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को 0.03 फीसदी कमजोर होकर 83.36 प्रति डॉलर पर आ गया। एशिया की अन्य मुद्राओं के बीच कुछ गिरावट और विदेशी बैंकों की डॉलर मांग के चलते रुपये में कमजोरी आई है। बता दें कि टीसीएस,इंफोसिस जैसी आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के कारण बाजार में कमजोरी देखने को मिली है। साथ ही बाजार में खरीदारी के लिए कोई ठोस कारण नहीं होने की वजह से भी मार्केट को गिरावट का मुंह देखना पड़ा।

मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ सरकारी डेस्कटॉप टेंडरों के लिए मजबूत कदम उठाएगी लेनोवो इंडिया

पुडुचेरी।

पर्सनल कंप्यूटर (पीसी), लैपटॉप निर्माता 1.9 बिलियन डॉलर के राजस्व वाले लेनोवो इंडिया ने शुक्रवार को स्थानीय रूप से प्राप्त मदरबोर्ड के साथ अपना डेस्कटॉप लॉन्च किया, जो बदले में सरकारी आपूर्ति के लिए बोली लगाने में एक मजबूत पिच देगा।अधिकारियों ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्लास के चलते कोविड-19 अवधि के दौरान उछाल के बाद भारत में लैपटॉप की मांग अब स्थिर हो गई है। लेनोवो इंडिया यहां अपने 14 लाख यूनिट वाले प्लांट में डेस्क टॉप, लैपटॉप बनाती है। मुख्य परिचालन अधिकारी सौरभ अग्रवाल के अनुसार, मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ डेस्कटॉप का उत्पादन मशीन को भारत सरकार की प्रेफेरेंटीएल मार्केट एक्सेस (पीएमए) पॉलिसी के अनुरूप बनाता है। कंपनी ने कहा, हाल ही में आईटी हार्डवेयर योजना के लिए पीएलआई 2.0 (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) के तहत 27 कंपनियों को मंजूरी की घोषणा के साथ, लेनोवो इंडिया को पीसी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिला है और इससे भारत की मेक इन इंडिया पहल में योगदान मिलेगा। लेनोवो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वाणिज्यिक खंड का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा डेस्कटॉप का है, जो एक बड़ी संख्या है और लैपटॉप की बढ़ती बिक्री डेस्कटॉप बाजार पर ज्यादा असर नहीं डालेगी।अग्रवाल के अनुसार, यहां लेनोवो इंडिया के प्लांट में 70 प्रतिशत उत्पादन डेस्कटॉप और शेष लैपटॉप और अन्य द्वारा होता है। अधिकारियों ने कहा कि कंपनी का

पुडुचेरी संयंत्र लगभग 45 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है।पिछले साल प्लांट ने लगभग 7.4 लाख यूनिट का उत्पादन किया था और चालू वर्ष का उत्पादन लक्ष्य दस लाख यूनिट है। हर 24 सेकंड में, एक उत्पाद, डेस्कटॉप या लैपटॉप यहां असेंबली लाइन से बाहर निकलता है। हालांकि, अग्रवाल ने संख्याओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेनोवो इंडिया अपने मोबाइल फोन और टैब का निर्माण दो अनुबंध विनिर्माण स्थानों पर करता है।

लैब में बने हीरों की कीमतें तेजी से कम हुईं

नई दिल्ली । पिछले आठ साल में डायमंड कारोबार में बड़े बदलाव देखे गए हैं। प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे यानी लैब-ग्रोन डायमंड की कीमत में बहुत तेजी से गिरी है। इस गिरावट के कारण इस सेक्टर में हुआ निवेश खतरे में पड़ गया है। पहली बार जब वाणिज्यिक रूप से एलजीडी सामने आए थे, तब इन्हें प्राकृतिक हीरे की तुलना में पर्यावरण की दृष्टि से ज्यादा सुरक्षित विकल्प माना गया था। 2016 में 1-कैरेट कृत्रिम हीरे की कीमत प्राकृतिक हीरे की तुलना में बमुश्किल 10 प्रतिशत कम थी। हालांकि 2022 के अंत तक अलग-अलग मैन्यूफैक्चररों के हिसाब से इनकी कीमतों में अंतर 80 प्रतिशत तक हो गया है। एक अध्ययन में पता चला है कि पिछले छह साल में एलजीडी की लागत 74 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि हल्के उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में प्राकृतिक हीरे की कीमतों में औसतन सालाना 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्राकृतिक हीरे में किए गए निवेश की कीमत और इनकी सस्टेनेबिलिटी को लेकर नैचुरल डायमंड काउंसिल (एनडीसी) की डायमंड फैक्ट्स रिपोर्ट में तस्वीर स्पष्ट की गई है। इस व्यापक रिपोर्ट में डायमंड इंडस्ट्री से जुड़े भ्रमों को दूर किया गया है और यह भी दिखाया गया है कि कैसे सदियों में प्राकृतिक हीरे ने खुद को साबित किया है और ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प साबित हुआ है।

एआई म्यूजिक फेस्टिवल में ईडीएम आइकन एफ्रोजैक वनप्लस फैंस का ध्यान करेगा आकर्षित

बेंगलुरु ।

ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड वनप्लस ने शुक्रवार को अपने बढ़ते भारतीय कम्युनिटी के लिए संगीत समारोह वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल की घोषणा की, जो 17 दिसंबर को बेंगलुरु के मैनफो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। ग्रैमी अवॉर्ड-विनिंग प्रोड्यूसर और मल्टी-प्लैटिनम-सेलिंग इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक (ईडीएम) आइकन एफ्रोजैक, डांस और इलेक्ट्रॉनिक शैलियों के अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ शो का मुख्य आकर्षण होंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि फेस्टिवल में अपनी जगह बुक करने के इच्छुक फैंस पेटीएम इनसाइडर पर जा सकते हैं और अपना पसंदीदा जोन चुन सकते हैं। वनप्लस इंडिया की मार्केटिंग प्रमुख इशिता ग्रोवर ने कहा, अपने कम्युनिटी के साथ जुड़ने के प्रति हमारा डेडिकेशन हमें लगातार कुछ नया करने के लिए प्रेरित करता है। वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल वाइब्रेंट कम्युनिटी के लिए व्यापक प्लेटफॉर्म प्रदान करके इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह म्यूजिक से परे यूनिक स्पेस के रूप में कार्य करता है, कोलैबोरेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देता है। यह सीमाओं से परे गतिशील अनुभव प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है, जो वनप्लस की अपने समुदाय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कंपनी के अनुसार, वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल सिर्फ एक गैदरिंग से कहीं अधिक है, यह क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी और वनप्लस कम्युनिटी की जीवंत भावना का उत्सव है। इसके केंद्र में एक अभूतपूर्व पहल है - वनप्लस एआई म्यूजिक स्टूडियो, जो उत्साही लोगों को संगीतकारों के क्षेत्र में कदम रखने के लिए सशक्त बनाता है, अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके शैलियों का सहज मिश्रण करता है। वनप्लस एआई म्यूजिक फेस्टिवल एक प्री-इवेंट लेग प्रदान करता है, जो यूजर्स को ओरिजनल म्यूजिक बनाने के लिए एआई-संचालित टूल का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, बेस्ट कम्पोजीशन का सैंपल प्रसिद्ध वैश्विक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम में लाइव लिया जाएगा। इस अनूठे फेस्टिवल के जरिए, ब्रांड का लक्ष्य अपने कम्युनिटी मेंबर्स की आवाज को बढ़ाना, 2023 के कुछ सबसे प्रभावशाली कलाकारों के लिए डांस करना है, साथ ही वनप्लस के 10 साल पूरे होने का जश्न भी मनाना है।

न्यू इंडिया एश्योरेंस का स्टॉक 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।

पीएसयू बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस में शुक्रवार को 17 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई।न्यू इंडिया एश्योरेंस 17 प्रतिशत बढ़कर 204 रुपये पर है। जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) बीएसई पर 12 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 297 रुपये पर है। दोनों स्टॉक 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम 7 प्रतिशत बढ़कर 662 रुपये पर है। जीआईसी ने कहा कि रेटिंग एजेंसी ने मौजूदा रेटिंग की फिर से पुष्टि की है और इसके अलावा जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को इंडिया नेशनल स्केल रेटिंग (एनएसआर) दी है। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी की सीएमडी नीरजा कपूर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही कंपनी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण तिमाहियों में से एक थी। तिमाही के दौरान बाढ़ के कारण कंपनी को कुल 301 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। लगभग 50 करोड़ के विमानन पोर्टफोलियो में प्रतिकूल विकास हुआ। कपूर ने कहा कि विदेशी परिचालन भी दबाव में आ गया क्योंकि दुबई परिचालन में जोखिम घाटे और यूके परिचालन में सीएटी घाटे के कारण तिमाही के दौरान उन्हें लगभग 71 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ। कई घटनाओं ने तिमाही के परिणामों को प्रभावित किया, मोटर और स्वास्थ्य पोर्टफोलियो ने वृद्धि दर्ज की। आगे चलकर इन लाइनों की लाभप्रदता में सुधार होना चाहिए। एजेंसी चैनल भी अच्छी गति से बढ़ने लगा है। कपूर ने कहा कि कंपनी को आगामी तिमाहियों में बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है।

संतान या आश्रित को सौंपिए अपनी नौकरी, टाटा स्टील ने कर्मचारियों को दिया यह ऑफर

जमशेदपुर।

टाटा स्टील ने एक निश्चित अवधि तक कंपनी में सेवा दे चुके कर्मियों के लिए 'जॉब फॉर जॉब स्कीम' की घोषणा की है। इस स्कीम के लिए कंपनी के कर्मचारी 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। कंपनी ने इस स्कीम का नाम 'सुनहरे भविष्य की योजना' दिया है। इसके लिए टाटा स्टील की वाइस प्रेसिडेंट (एचआरएम) अत्रेयी सान्याल के आदेश से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। 'जॉब फॉर जॉब स्कीम' के तहत कर्मचारी अपने पुत्र, पुत्री, दामाद या किसी अन्य को आश्रित नामित कर अपनी नौकरी हस्तांतरित कर सकेंगे। इस स्कीम में वैसे कर्मचारी आयेंगे, जिनकी सेवानिवृत्ति की उम्र कम से कम साढ़े पांच साल बाकी है। आश्रितों को इसके लिए एक परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा में तीन बार शामिल होने का मौका दिया जायेगा। इसके बाद प्रशिक्षु के तौर पर उनकी सेवा शुरू होगी। इस दौरान उन्हें स्टाइपेंड दिया जायेगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी सेवा स्थायी की जायेगी। परीक्षा में असफल आश्रित को नौकरी से वंचित होना पड़ सकता है। इसके लिए वैसे कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं, जिनकी आयु या तो 40 साल से ज्यादा है या जो कंपनी में दस साल से अधिक समय तक काम कर चुके हैं। इन स्कीमों के लिए कर्मियों के चयन का अधिकार प्रबंधन के पास होगा। 'सुनहरे भविष्य की योजना' के तहत संबंधित कर्मचारी, उसके पति या पत्नी, बेटे को 24 वर्ष की आयु तक और बेटी को उसके विवाह के पूर्व तक कंपनी के हॉस्पिटल में इलाज की सुविधा मिलेगी। कर्मचारी को 58 वर्ष की उम्र तक या योजना का लाभ लेने के बाद अधिकतम छह वर्ष तक क्वार्टर की सुविधा मिलेगी। यदि उनके आश्रित भविष्य में कंपनी के स्थायी कर्मचारी बनते हैं, तो उन्हें क्वार्टर के लिए 10 अतिरिक्त प्वाइंट मिलेंगे। इसके अलावा कर्मियों को पीएफ, ग्रैच्युटी, फेयरवेल गिफ्ट, पेंशन स्कीम का लाभ कंपनी के नियमों के तहत मिलेगा।

डेटा टेक फर्म टीमैक्स एडब्ल्यूएस सम्मेलन में नए प्रोडक्ट्स का अनावरण करेगी

सियोल।

दक्षिण कोरियाई डेटा प्रौद्योगिकी कंपनी टीमैक्स ग्रुप ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले सप्ताह अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) क्लाउड सम्मेलन में अपने नए उत्पादों का अनावरण करेगी।

अधिकारियों के अनुसार, कंपनी की डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली से संबद्ध टीमैक्स टीबेरो कंपनी टीमैक्स डीबीएएस का प्रदर्शन करेगी और कंपनी की क्लाउड सेवा शाखा टीमैक्स क्लाउड टीमैक्स सीएलएएस पेश करेगी। इवेंट लास वेगस में पांच दिनों तक चलेगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डीबीएएस का मतलब डीबी ऑल सर्विसेज है। यह पूरी तरह से प्रबंधित डेटाबेस सेवा प्रदान करेगा, और सीएलएएस का मतलब क्लाउड ऑल सर्विसेज है, जो क्लाउड नेटिव वातावरण के निर्माण और प्रबंधन के लिए क्लाउड सेवा का संदर्भ देता है। अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों उत्पाद भविष्य में जारी होने वाले टीएमएक्स के ऑल-इन-वन सुपर एप्लिकेशन की नींव बनेंगे।इवेंट के दौरान टीमैक्स अपने वैश्विक व्यवसाय के विस्तार के प्रयासों के तहत एडब्ल्यूएस के साथ एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने की भी योजना बना रहा है। टीएमएक्स क्लाउड के सीईओ जिन सेउंग-ईई भी कंपनी के भविष्य की रणनीति पर एक प्रस्तुति देंगे, जिसमें क्लाउड-नेटिव तकनीक का उपयोग भी शामिल है।

सूर्यकुमार ने तोड़ा रोहित का रिकॉर्ड...अब खतरे में आया कोहली का रिकॉर्ड

-मैंच में सूर्यकुमार के नाम दर्ज हुए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 मैच में धमाकेदार पारी खेली। सूर्यकुमार को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सूर्या ने इस दौरान रोहित शर्मा के एक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अब सूर्या के निशाने पर कोहली का 'विराट' रिकॉर्ड है, जो इस सीरीज में सूर्यकुमार ध्वस्त कर सकते हैं। यानी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इस मामले में वह रोहित और विराट को पछाड़कर टॉप पर पहुंच सकते हैं। दरअसल, सूर्यकुमार ने पहले टी20 मैच में 42 गेंदों पर 80 रन की पारी खेली जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 2 विकेट से जीत में अहम रोल अदा किया। सूर्या को टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 13वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने इस दौरान रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ा। रोहित को 148 टी20 मैचों में 12 बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है वहीं सूर्यकुमार ने 54 मैचों में यह मुकाम हासिल किया है। लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जो 115 मैचों में 15 बार इस खिताब को जीत चुके हैं। सूर्यकुमार के पास इस सीरीज में विराट से आगे निकलने और बतौर भारतीय टी20 में टॉप पर पहुंचने का मौका है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी में डेब्यू करते हुए यह अवॉर्ड जीतने वाले सूर्यकुमार दूसरे भारतीय हैं। इसके पहले यह उपलब्धि पेसर जसप्रीत बुमराह हासिल कर चुके हैं। बुमराह को इसी साल आयरलैंड दौरे पर कप्तान बनाया गया था जहां उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। सूर्या बतौर कप्तान डेब्यू मैच में बेस्ट पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम था जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 62 रन की पारी खेली थी। सूर्यकुमार ने नंबर 3 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सिक्स की सेंचुरी भी पूरी की। यह कारनामा करने वाले वह ओवरऑल तीसरे जबकि भारतीयों में दूसरे खिलाड़ी हैं। सूर्यकुमार से पहले यह उपलब्धि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली हासिल कर चुके हैं। इतना ही नहीं टीम इंडिया ने सूर्या की कप्तानी में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी रन चेज की।

राशिद खान की हुई कमर की सर्जरी, अफगान क्रिकेट ने दी जानकारी

लंदन (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान की ब्रिटेन में कमर की छोटी सी सर्जरी हुई हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके जल्द ही ठीक होने की उम्मीद है। यह करिश्माई स्पिनर हालांकि सात दिसंबर से शुरू होने वाली बिग बैश लीग में नहीं खेल पाएगा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी बयान में कहा गया कि राशिद का ब्रिटेन में एक शीर्ष सर्जन ने ऑपरेशन किया। राशिद ने हाल में संपन्न विश्व कप में इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एसीबी ने 'एक्स पर बयान में कहा, 'अफगान क्रिकेट सनसनी राशिद खान की ब्रिटेन में प्रसिद्ध सर्जन डॉ. जेम्स के मार्गदर्शन में कमर की छोटी सर्जरी हुई। उन्हें कुछ समय के लिए आराम दिया गया है और उनके जल्द ही उबरने की उम्मीद है। साथी क्रिकेटर मोहम्मद नबी ने सर्जरी के बाद राशिद की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, जल्द ठीक हो जाओ राजा। गुरुवार को राशिद की बिग बैश लीग टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स ने घोषणा की थी कि राशिद का जल्द ही एक छोटा ऑपरेशन किया जाएगा। वह 2017 से स्ट्राइकर्स के लिए खेल रहे हैं।

युवी-धोनी की जगह लेने को तैयार तिलक और रिंकू सिंह

रायपुर (एजेंसी)। विश्वकप के फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद से सवाल उठे हैं, कि विश्व चैम्पियन बनने के लिए टीम में युवराज सिंह और महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए। दरअसल, भारतीय टीम ने पिछले कुछ सालों में बड़े मैचों में उनकी जगह लेने को तिलक वर्मा और रिंकू सिंह नाम के युवा खिलाड़ी तैयार हैं। तिलक की भूमिका युवराज जैसी और रिंकू का रोल धोनी जैसा हो सकता है। युवी की तरह तिलक भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं। इसके अलावा वह पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाजी करके भी टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। वहीं, धोनी का विकल्प रिंकू हो सकते हैं, जिन्होंने आईपीएल के पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए शानदार पारियां खेलने के अलावा गुजरात टाइटन्स के खिलाफ एक मैच में के आखिरी पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरी थी। अब रिंकू भारतीय टीम के लिए भी वहीं जिम्मेदारी निभाना शुरू कर चुके हैं। रिंकू को भारतीय टीम में नंबर-6 और 7 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है। वह निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। रिंकू की बड़े शॉट्स खेलने की काबिलियत और विपरित परिस्थितियों में हार न मानने का जज्बा भविष्य में उन्हें धोनी जैसा फिनिशर बना सकता है।

युवराज और धोनी को काफी मिस किया है, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले करीब 15 वर्षों से टीम के मिडिल और लोअर ऑर्डर की जिम्मेदारी संभाल रखी थी। युवराज जहां नंबर-4 पर आकर टीम को स्थिरता प्रदान करते थे, वहीं धोनी नंबर-6 पर आकर फिनिशर की भूमिका निभाते थे। युवी और धोनी के रिटायर होने के बाद टीम को आजतक इन दोनों खिलाड़ियों का सही विकल्प नहीं मिल सका है।

लेकिन अब टीम ने युवी और धोनी का विकल्प तलाश लिया है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए विराट और रोहित को चुना जाना चाहिए : पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 इंटरनेशनल भविष्य के बारे में अटकलों के बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम का मानना है कि भारत को आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए दोनों अनुभवी सितारों को अपनी टीम में चुनना चाहिए। भारत के नवंबर 2022 में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद से रोहित और विराट सबसे छोटे प्रारूप से गायब हैं। कप्तान रोहित के ज्यादातर अनुपस्थित रहने पर हार्दिक पांड्या ने 2023 में टी20आई में भारतीय टीम का नेतृत्व किया है।

इससे पहले रोहित शर्मा ने इस साल की शुरुआत में सयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिककिंगडम अकादमी के अगस्त लॉन्च के दौरान टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया था। कई लोगों का मानना है कि यह इस बात का संकेत था कि वह इसमें खेलेंगे या नहीं। वसीम अकरम ने कहा, 'टी20 विश्व कप कुछ ही महीने दूर है। मैं दोनों (रोहित शर्मा और विराट कोहली) को चुनूंगा। वे भारत के लिए मुख्य खिलाड़ी होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। टी20 में आपको थोड़े अनुभव की जरूरत है। आप केवल युवा खिलाड़ी पर भरोसा नहीं कर सकते।'

रोहित ने 148 मैचों में 3853 रनों का प्रभावशाली टी20आई रिकॉर्ड बनाया है जिसमें लगभग 140 रन हैं, जिसमें चार शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि कोहली 115 मैचों में 4008 रन, एक शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ अग्रणी रन-स्कोरर हैं। भारत के पास शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा सलामी बल्लेबाजों की एक मजबूत श्रृंखला है जो आईपीएल में सिद्ध कलाकार हैं। हालांकि, यदि युवा प्रतिभाएं लड़खड़ाती हैं, तो चयनकर्ता या बीसीसीआई रोहित से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर सकते हैं।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने रोहित को विश्व कप में न केवल एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में बल्कि एक कप्तान के रूप में शामिल करने की वकालत की है। गंभीर ने कहा, 'उन्हें (रोहित और कोहली) दोनों को चुने जाने की जरूरत है, दोनों को चुना जाना चाहिए और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं रोहित शर्मा को टी20 विश्व कप में कप्तान के रूप में देखना चाहता हूं।'

डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए मो. कैफ को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की हार के बाद जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ टीम इंडिया की तारीफों के कसीदे गढ़े तो ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए भी चुनौती दे डाली। डेविड वॉर्नर वर्ल्ड कप के बाद इन दिनों सोशल मीडिया पर पूरी तरह एक्टिव दिख रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वॉर्नर अगले वर्ल्ड कप के लिए फिर चेतावनी दे रहे हैं। उनके कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे थे। लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया के पुष्पा ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर को करारा जवाब दे दिया है। जब मोहम्मद कैफ ने टीम इंडिया की हार के बाद बयान दिया था, 'मैं ये स्वीकार नहीं करता कि बेस्ट टीम वर्ल्ड कप विनर होती है, टीम इंडिया पेपर्स में बेस्ट टीम है।' एक फैन द्वारा कैफ के इस बयान को पोस्ट किया गया, जिसपर डेविड वॉर्नर ने खरा रिप्लाई किया है। उन्होंने सीधे 2027 वर्ल्ड कप की चेतावनी दे डाली है। मोहम्मद कैफ के बयान पर डेविड वॉर्नर ने लिखा, 'मुझे पसंद है एमके (मोहम्मद कैफ), मुद्दा यह है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कागज पर क्या है? अंत में आपको तब प्रदर्शन करना होगा जब इसकी जरूरत हो, इसलिए इसे फाइनल कहते हैं। यही वह दिन है जो मायने रखता है और यह किसी भी दिशा में जा सकता है, यह खेल है। 2027 फिर आते हैं।' बता दें ?कि वर्ल्ड कप से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि डेविड वॉर्नर का यह आखिरी वर्ल्ड कप होगा। वे 37 साल के हो चुके हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने खेल वेबसाइट पर जो रिप्लाई किया, उससे कहा जा सकता है कि वे अगले वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा होंगे। वॉर्नर ने उसपर लिखा, 'किसने कहा मेरा काम खत्म हो गया है।'

वर्ल्डकप ट्राफी के अपमान पर भड़की उर्वशी रौतेला, मिशेल मार्श को दे डाली नसीहत

मुंबई। आईसीसी वर्ल्डकप फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, जिससे भारतवासियों का दिल टूट गया था और सबसे ज्यादा तब लोगों को बुरा लगा, जब ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ी मिशेल मार्श वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर पैर रखे नजर आए। वहीं, मिशेल द्वारा ट्रॉफी के इस तरह अपमान पर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का भी खूब खौल उठा। उर्वशी ने ऑस्ट्रेलियन टीम को नसीहत दे डाली है। दरअसल, वर्ल्ड कप मैच जीतने के बाद, पैट कमिंस ने अपने अकाउंट पर फोटो शेयर की थी, जिसमें मार्श अपने दोनों पैर ट्रॉफी के ऊपर रखे नजर आए थे। वहीं, अब उर्वशी ने इस पर अपनी भड़ास निकालते हुए अपनी वहां तस्वीरें शेयर की, जब उन्होंने पेरिस में आइफिल टावर के नीचे इस ट्रॉफी की पहली झलक दिखाई थी। साथ ही मिशेल मार्श द्वारा ट्रॉफी का अपमान करने का फोटो शेयर कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को नसीहत देकर लिखा है, मार्श, भाई जरा वर्ल्ड कप ट्रॉफी के प्रति सम्मान रखिए, केवल कूल दिखने के लिए उन्होंने अपना पैर इस ट्रॉफी पर रखा है। उर्वशी के इस पोस्ट पर यूजर्स के खूब रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कई उनकी इस नसीहत का सपोर्ट कर रहे हैं तब कई उन्हें ही ट्रोल कर रहे हैं। बता दें, उर्वशी रौतेला ने ही पहली बार फ्रांस के पेरिस में आइफिल टावर के नीचे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी की पहली झलक दुनिया को दिखाई थी। ऐसा करने वाली वह पहली अभिनेत्री बनीं।

मिचेल मॉर्श के व्यवहार से आहत हूं : शमी

नई दिल्ली। वर्ल्डकप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की टीम इंडिया पर छह विकेट की खिताबी जीत के बाद हरफनमौला मिचेल मॉर्श का वर्ल्डकप ट्रॉफी को अपने पैर के नीचे दबाए हुए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मॉर्श की हर कोई निंदा कर रहा है। वर्ल्डकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी मिचेल मॉर्श के इस व्यवहार की आलोचना की है। उन्होंने कहा, मैं आहत हूं। जिस ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सारी टीमें और उनके प्लेयर इतनी मेहनत मशक्कत करते हैं, जिसे आप अपने सिर पर उठाना चाहते हैं, पैर रखकर किसी को उसका इस तरह अपमान करते हुए देखकर मुझे अफसोस हुआ है। शमी ने कहा कि वर्ल्डकप ट्रॉफी के लिए सम्मान नहीं जताने के मिचेल के व्यवहार से वे आहत हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शमी ने सबसे अधिक 24 विकेट लिए, उन्होंने सात मैचों में 10.70 के औसत, 5.26 की इकोनॉमी और 12.20 के स्ट्राइक रेट से यह विकेट लिए जिसमें तीन बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट शामिल रहे। शमी ने कहा आमतौर पर बॉलर मैच से पहले मैदान में जाकर पिच का निरीक्षण करते हैं लेकिन मैं कभी भी विकेट के पास नहीं जाता क्योंकि जब आप इस पर बॉलिंग करते हैं तभी पता चलता है कि यह यह किस तरह का व्यवहार कर रही है। इसके बाद इसका दबाव क्यों लेना? बेहतर यही है कि आप इस ज्यादा से ज्यादा सिंपररखें और अपने आपको रिलेक्स रखें तभी आप बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

सात्विक और चिराग की जोड़ी चीन मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ने चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय युगल जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16 21-14 से हराया।

इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 जीतने वाले सात्विक और चिराग के सामने अंतिम चार में चीन की जोड़ी की चुनौती होगी। चीन की दो जोड़ियों के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हे जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और ओयू जुवान यी से भिड़ेगी। विश्व रैंकिंग की पूर्व शीर्ष भारतीय जोड़ी ने अपने खेल में शानदार समन्वय दिखाया। दोनों लगातार अपनी जगह को बदलते रहे और बीच-बीच में करारे प्रहार करते हुए उन्होंने इंडोनेशिया की जोड़ी को दबाव में डाल दिया। मैच की शुरुआत में दोनों जोड़ियों के बार करीबी मुकाबला था।

पहले ब्रेक के बाद स्कोर 14-14 की बराबरी पर पहुंचा लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अपनी गति को बढ़ाया। चिराग ने इस दौरान शटल और कोर्ट की सीमारेखा पर शानदार समझ दिखाते हुए स्कोर को 19-16 से अपने पक्ष में कर दिया। उन्होंने दो और करारे प्रहार के साथ पहला गेम भारत के नाम किया। पहले गेम के आखिर में मिली लय को भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में जारी रखने में सफल रही। उन्होंने 5-2 की बढ़त हासिल करने के बाद नेट पर शानदार नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक के समय 11-6 की बढ़त बना ली। ब्रेक के अल्प विश्राम के बाद भी भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के खिलाड़ियों को कोई मौका नहीं दिया और 17-10 के स्कोर के साथ अपना दबदबा कायम रखा।

इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच 48 शॉट की लंबी रैली चली जिसे मार्टिन के कमाल के स्मैश से इंडोनेशिया ने जीता। मार्टिन ने एक और करारा प्रहार किया लेकिन इस बार शटल नेट से टकरा गयी जिससे भारतीय जोड़ी को सात मैच अंक मिले और उन्होंने वीडियो रेफरल की मदद से पहले प्रयास में ही इसे भुनाने में कोई गलती नहीं की।

यौन उत्पीड़न का मामला : ब्राजील के फुटबॉलर के लिए 9 साल की जेल की मांग

मैड्रिड। स्पेन की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि पिछले साल एक महिला के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ी दानी अल्वेस के लिए अभियोजन पक्ष के वकीलों ने 9 साल की जेल की सजा की मांग की है। अल्वेस को 30 दिसंबर को बार्सीलोना के एक नाइट क्लब में महिला के साथ दुराचार करने के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें अगस्त में इस मामले में दोषी ठहराया गया था और अदालत ने कहा था कि उनके खिलाफ मुकदमा शुरू करने के लिए पर्याप्त सबूत है। सुनवाई की तारीख अभी तक निर्धारित नहीं की गई है। अल्वेस ने हालांकि किसी भी गलत काम से इनकार किया है, उन्होंने दावा किया है कि आरोप लगाने वाली महिला के साथ उन्होंने सहमति से यौन संबंध बनाए थे। अभियोजक चाहते हैं कि अल्वेस पीड़िता को हर्जाने के तौर पर 150,000 यूरो (1.36 करोड़ रुपये) का भुगतान करे और उससे 10 वर्षों के लिए किसी भी तरह का संपर्क रखने पर प्रतिबंध लगाया जाए। वे यह भी चाहते हैं कि जेल की सजा काटने के बाद एक दशक तक अल्वेस की निगरानी की जाए। ब्राजील का यह 40 साल का खिलाड़ी जनवरी से 'प्री-ट्रायल (मुकदमा शुरू होने से पहले)' जेल में है। उन्हें अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद गिरफ्तार किया गया था। अल्वेस की ओर से जमानत के सभी अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया गया है क्योंकि अदालत ने माना वह देश छोड़ कर भाग सकते हैं। इस खिलाड़ी ने अदालत के फैसले का इंतजार करते हुए अपने पासपोर्ट जमा करने और 'ट्रैकिंग डिवाइस' पहनने की पेशकश की थी। अल्वेस ने 42 फुटबॉल खिताब जीते, जिनमें बार्सीलोना के साथ तीन चैंपियंस लीग और ब्राजील के साथ दो कोपा अमेरिका खिताब भी शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल कतर में अपना तीसरा विश्व कप खेला था। उनके वकीलों ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास, डेविस कप टेनिस जीतने वाले सबसे सफल सर्बियाई खिलाड़ी बने

तूरिन (इटली)। नोवाक जोकोविच गुरुवार को लगातार 21वीं एकल जीत के साथ डेविस कप टेनिस इतिहास के सबसे सफल सर्बियाई खिलाड़ी बने जिससे उनकी टीम ने तीन साल में दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने कैमरन नोरी को 6-4, 6-4 से हराकर सर्बिया को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 2-0 की जीत दिलाई। वहीं अब सर्बिया का मुकाबला इस शीर्ष पुरुष टीम प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में सोमवार को इटली से होगा। वहीं, जीत के बाद जोकोविच ने कहा, ''देश के लिए खेलना हमेशा सबसे ज्यादा दबाव और प्रेरणा भरा होता है। लंबे सत्र के बाद हम पैरों में थकान महसूस कर सकते हैं। अब हमें इटली ने खेलना है। वे काफी मजबूत टीम हैं। हम कड़ी टक्कर देंगे।'' इसके साथ ही जोकोविच की यह डेविस कप में रिकॉर्ड 44वीं जीत थी जिससे वह नेनाद जिमोनजिच से एक जीत आगे निकल गए हैं। जोकोविच देश के लिए 10 एकल मुकाबले जीत चुके हैं। दूसरी तरफ इटली ने क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे सत्र में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले मैच में नीदरलैंड के बोटिच वान डि जेंड्सशुल्प ने अंतिम टाईब्रेकर में तीन मैच प्वाइंट बचाने के बाद मातियो अर्नाल्डी को 6-7 (6) 6-3 7-6 (7) से हराकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

रमीज राजा का बेतुका दावा....क्रिस्टियानो रोनाल्डो का डाइट प्लान नासा तैयार करता

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व प्रमुख रमिज राजा क्रिस्टियानो रोनाल्डो के डाइट प्लान पर अपनी टिप्पणी को लेकर फिर सुर्खियों में हैं। एक इंटरव्यू में पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया कि रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार रोनाल्डो का डाइट प्लान नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है। राजा ने कहा, रोनाल्डो का जो डाइट प्लान है, वहां नासा के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया जाता है। रोनाल्डो को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों में से एक माना जाता है और उन्होंने कुछ रिकॉर्ड बनाए हैं जिन्हें तोड़ना मुश्किल है। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो हाल ही में जनवरी 2023 में सऊदी क्लब अल नासर में शामिल हुए जिसके बाद उन्होंने अपनी नई टीम के लिए 42 मैच खेलकर और 36 गोल किए। सऊदी प्रो लीग के मौजूदा सीजन में 38 वर्षीय खिलाड़ी ने रियाद स्थित क्लब के लिए 12 मैचों में भाग लिया और 13 गोल किए। रोनाल्डो ने 2023-24 सीजन में एएल नासर के लिए सात सहायता भी की। इससे पहले पुर्तगाली सुपरस्टार जुवेंटस छोड़ने के बाद 2021 में अपने बचपन के क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में लौट आए थे हालांकि, पियर्स मॉर्गन के साथ एक विवादास्पद साक्षात्कार में यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हाग को लताड़ लगाने के बाद इंग्लिश क्लब में उनका कार्यकाल बहुत अच्छा नहीं रहा। रोनाल्डो के यह दावा करने के बाद कि टेन हाग पुर्तगाली खिलाड़ी का सम्मान नहीं करते, यूनाइटेड ने 38 वर्षीय खिलाड़ी का अनुबंध समाप्त कर दिया।

डेविस कप : सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद ने पाकिस्तान जाने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो शीर्ष एकल खिलाड़ियों सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) को बता दिया है कि वह आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे, जिससे नाराज राष्ट्रीय संघ ने खिलाड़ियों के इस रवैये पर अपनी अगली कार्यकारिणी की बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है।

नागल भारत के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। उनकी विश्व रैंकिंग 141 है जबकि मुकुंद 477 विश्व रैंकिंग के साथ भारतीय खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने सूचित कर दिया है कि वे फरवरी में होने वाले विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने हालांकि इसका कोई ठोस कारण नहीं बताया है।

नागल इसलिए नहीं खेलना चाहते हैं क्योंकि यह मुकाबला ग्रास कोर्ट पर होगा। इस तरह के कोर्ट पर वह अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। मुकुंद ने निजी कारणों से इस मुकाबले से हटने का फैसला किया है। एआईटीए के सूत्रों ने कहा, 'नागल ने काफी पहले टीम प्रबंधन को बता दिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन्हें ग्रास कोर्ट पर खेलना पसंद नहीं है।'

वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय चुनौती की अगुवाई रामकुमार रामनाथन करेंगे जिनकी 'सर्व और वॉली' की शैली इस तरह के कोर्ट के अनुकूल है। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली टीम वर्ष 2024 में विश्व ग्रुप एक में बनी रहेगी। भारत के पास दूसरा विकल्प दिग्विजय प्रताप सिंह है जिन्होंने इस साल सितंबर में मोरक्को के खिलाफ डेविस कप में पदार्पण किया था।

रोहन बोपन्ना पहले ही संन्यास ले चुके हैं और एकल में अपने शीर्ष खिलाड़ी नागल की अनुपस्थिति में भारत प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगा, जबकि पाकिस्तान का दारोमदार भी दो उम्र दराज खिलाड़ियों अकील खान और ऐसाम उल हक कुरैशी पर टिका है। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि राष्ट्र की तरफ से खेलने के लिए उन्हें एक बार भी सोचना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह गलत है। जब देश की तरफ से खेलने की बात आती है तो आप पीछे क्यों हट जाते हैं। मैंने यह मामला कार्यकारी समिति को सौंप दिया है।'

धूपर ने कहा, 'मेरा सिद्धांत है कि जब भारत का प्रतिनिधित्व करने की बात आती है तो खिलाड़ियों के पास कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। लेकिन फैसला मेरे हाथ में नहीं है। इस पर फैसला कार्यकारिणी करेगी। अगर खिलाड़ी अस्वस्थ या चोटिल है तो बात समझी जा सकती है लेकिन यह पहला अवसर नहीं है जबकि मुकुंद ने देश की तरफ से खेलने से इनकार किया है। वह पहले भी दो बार ऐसे कर चुका है।'

इससे पहले 2019 में भी भारत को पाकिस्तान में खेलना था लेकिन सुरक्षा कारणों से एशिया ओसियाना ग्रुप एक का यह मुकाबला कजाकिस्तान में खेला गया था। भारत ने इस बार भी तटस्थ स्थल पर मैच करवाने के लिए प्रयास किए थे लेकिन डेविस कप समिति ने एआईटीए की अपील नामंजूर कर दी थी। धूपर ने कहा, 'डेविस कप समिति ने हमारा प्रस्ताव नामंजूर कर दिया है और हमने इस फैसले को खेल पंचाट में चुनौती दी है। अगर हमें पाकिस्तान जाना पड़ेगा तो फिर हमारे पास कोई विकल्प नहीं होगा और इस मुकाबले के लिए हमें अच्छी तैयारी करनी होगी।

पाकिस्तान भी भारतीय टीम की मेजबानी करने का इच्छुक है तथा पाकिस्तान टेनिस महासंघ पहले ही कह चुका है कि अगर मैच स्थल बदला जाता है तो वह इस मुकाबले से हट जाएगा। भारत अगर इस दौरे पर जाता है तो यह पिछले 59 वर्षों में डेविस कप टीम का पहला पाकिस्तान दौरा होगा। भारतीय डेविस कप टीम ने आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था और उस मुकाबले में 4-0 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी ने तीन बार भारत का दौरा किया है। भारत अभी तक डेविस कप में पाकिस्तान से नहीं हारा है।

ऑलपाड में दो दिवसीय रवि कृषि महोत्सव-2023 का उद्घाटन करते वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेशभाई पटेल

सूरत ।

कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय रवि कृषि महोत्सव का उद्घाटन वन और पर्यावरण मंत्री मुकेशभाई पटेल ने ऑलपाड तालुका मुख्यालय के खुंटईमाता मंदिर में किया। कृषि प्रौद्योगिकी एवं किसानोन्मुखी योजनाओं की जानकारी बताएं। जिसमें 20 से अधिक विभिन्न स्टालों पर प्राकृतिक कृषि उत्पाद, रसायन मुक्त औषधियां, आयुर्वेदिक पद्धति से निदान एवं उपचार तथा खेत में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों की जानकारी देने वाले स्टाल लगे हुए थे।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2005-06 में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए शुरू किये गये रवि कृषि महोत्सव के परिणामस्वरूप राज्य भर के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। विभिन्न कृषि उत्पादों एवं उनकी समस्या के समाधान हेतु वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये सूक्ष्म मार्गदर्शन से किसान उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली फसलें प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने लोगों में बढ़ते तनाव और बीमारियों के लिए जिम्मेदार रासायनिक खेती से निपटने के लिए राज्य में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दिखाते हुए कहा कि कृषि महोत्सव के माध्यम से किसानों को विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है और उनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही लोगों को प्राकृतिक कृषि उत्पादों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में भी बताया गया और रसायन मुक्त कृषि उत्पादों का उपयोग करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने आगे कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किये जा रहे शोध के फलस्वरूप कृषि क्षेत्र की विसंगतियों को दूर करने में काफी सफलताएं मिली हैं।

उन्होंने अनुरोध किया कि किसान पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग करें। साथ ही ड्रिप सिंचाई प्रणाली के लिए योजना में दी जाने वाली सब्सिडी और इस प्रणाली के लिए 24 घंटे बिजली की जानकारी और लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

रवि कृषि महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर 8 किसानों को विभिन्न कृषि उपकरणों के लिए स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये, विभिन्न बागवानी योजनाओं के तहत 5 किसानों को 1.88 लाख रूपये के भुगतान आदेश दिये गये। साथ ही, ऑलपाड तालुका के सर्वश्रेष्ठ आत्मा किसान को 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया, आत्मा परियोजना के पांच किसानों को प्राकृतिक कृषि मॉडल फार्म का अनुमोदन पत्र वितरित किया गया और आठ किसानों को विभिन्न कृषि सहायता के अनुमोदन पत्र वितरित किए गए।

इसके साथ ही प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने प्राकृतिक खेती के फायदे और इससे मिलने वाले अद्भुत परिणामों के बारे में बताया और अन्य किसानों से भी इसी दिशा में आगे बढ़ने का अनुरोध किया। तथा कृषि वैज्ञानिक द्वारा विभिन्न रसायन मुक्त औषधियों एवं उनके उपयोग के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर तालुका पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती नीताबेन पटेल, हलपति और भूमिहीन खेत मजदूरों की आवास निर्माण समिति के अध्यक्ष

फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त सुधार कार्यक्रम-2024 के तहत मतदाता विशेष अभियान दिवसों पर संशोधन कर सकेंगे

सूरत।

चुनाव आयोग ने 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले मतदाताओं को शामिल करने और त्रुटि रहित अद्यतन मतदाता सूची तैयार करने के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू किया है ताकि अधिक से अधिक संख्या में मतदाता सूची तैयार की जा सके. आगामी लोकसभा आम चुनावों में मतदाता भाग ले सकते हैं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य भर में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अवधि के दौरान विशेष अभियान दिवस दिनांक 26/11/2023 (रविवार), 03/12/2023 (रविवार) एवं 9/12/2023 बूथ लेवल अधिकारी प्रात: 10ः00 बजे से सायं 05ः00 बजे तक संबंधित बूथों पर उपस्थित होकर दावा एवं आपत्ति आवेदन स्वीकार करेंगे। साथ ही, ऐसे नागरिक जो 01/01/2024 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और अभी तक अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं कराया है, वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करने के लिए फॉर्म नंबर 6, लिंक करने के लिए फॉर्म नंबर 6 मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार कार्ड। 6(बी), मृत्यु-पलायन के मामले में नाम कम करने और नाम, उपनाम, जन्मतिथि, पहचान पत्र में फोटो में सुधार के लिए फॉर्म नंबर 7, प्रवासन के लिए फॉर्म नंबर। सूरत के अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी की सूची के अनुसार, 8 विशेष अभियान दिवसों पर अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र पर आवश्यक सहायक साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

यहां बता दें कि ऑनलाइन दावा www.voterportal.eci.gov.in या www.voters.eci.gov.in या वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के जरिए भी जमा किया जा सकता है।

राज्य सरकार के कृषि महोत्सव के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन कई गुना बढ़ गया है: तालुका पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखाबेन पटेल

सूरत । रवि फसलों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से कृषि, किसान कल्याण और सहयोग विभाग द्वारा कामरेज तालुका में दो दिवसीय रवि कृषि महोत्सव का उद्घाटन तालुका पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखाबेन पटेल द्वारा किया गया। रवि सीजन के साथ-साथ किसानोन्मुखी योजनाओं का आयोजन।

पटांगण स्थित दादाभगवान मंदिर में आयोजित महोत्सव में रेखाबेन ने कहा कि किसान आधुनिक कृषि पद्धति से खेती करें और अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती करें, इस मंशा से राज्य सरकार कृषि महोत्सव का आयोजन कर रही है. कृषि महोत्सव से राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के किसान सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएंगे और आर्थिक समृद्धि की ओर कदम बढ़ाएंगे.

इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डीएच पटेल ने %श्री अन्ना% के बारे में जानकारी दी और ज्वार, रांगी, बाजरी, कांग, बंटी जैसे मोटे अनाजों का महत्व बताया और भोजन में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर प्रगतिशील किसान भरतभाई पटेल और बलवंतभाई पटेल ने प्राकृतिक खेती के लाभ और सहकारी संरचना के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न उद्यान, कृषि, सामाजिक वानिकी, आईसीडीएस एवं अन्य स्टालों के माध्यम से किसानों को कृषि संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने सर्विस ब्रिज का लाभ उठाया. गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ वितरित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्यकक्ष कार्यक्रम का दस्क्रोई, अहमदाबाद से लाइव प्रदर्शन सभी ने देखा।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बाजरा के व्यंजनों पर आधारित तैयार की गई पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती भारतीबेन राठौड़, प्रांत पदाधिकारी श्री वी. क। पिपलिया, उपाध्यक्ष हर्षदभाई, पुष्पाबेन परमार, रमेशभाई शितापा, दंडक मजूबेन राठौड़, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुमनबेन राठौड़, उप पशुपालन निदेशक मयूर भिमानी, सुमुल निदेशक बलवंतभाई पटेल, मामलतदार, तालुका विकास अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

धरती माता को विषाक्त पदार्थों से मुक्त और गुणवत्तापूर्ण रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है: विधायक ईश्वरभाई परमार

सूरत। सूरत जिले के 9 तालुकों में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर मार्गदर्शन और विभिन्न किसान-उन्मुख योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय चवि कृषि महोत्सव-2023ज और च्सेवा सेतुज शुरू हो गया है। रबी सीजन में राज्य। कृषि, किसान, कल्याण और सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि महोत्सव का उद्घाटन विधायक श्री ईश्वरभाई परमार द्वारा बारडोली खेदुत प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। सेवा सेतु कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर पहले दिन कृषि संगोष्ठी एवं कृषि प्रदर्शनी तथा दूसरे दिन किसानों के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक श्री ईश्वरभाई परमार ने कहा कि रवि कृषि महोत्सव राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले धरती पुत्रों को कम लागत और आधुनिक तकनीक से ज्ञान प्राप्त करने का साधन प्रदान करता है। सरकार सदैव किसानों के हित में कार्य कर रही है। अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार के नेक प्रयासों से प्राकृतिक खेती का अभियान गेमगाम तक पहुंच गया है।

यह कहते हुए कि मानव जीवन और स्वास्थ्य, समाज और हमारा आहार कृषि प्रणाली पर निर्भर है, विधायक ने कहा कि भारत हमेशा से प्रकृति और संस्कृति से कृषि प्रधान देश रहा है। धरती माता को विषाक्त पदार्थों से मुक्त और गुणवत्तापूर्ण बनाए रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जैविक खेती करने वाला किसान धरती माता की सेवा कर रहा है। इससे प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ गौ माता भी बचेगी।

उन्होंने आगे कहा कि कृषि महोत्सव की शुरुआत वर्ष 2005-06 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से हुई थी। कृषि महोत्सव के माध्यम से, किसान विषाक्त पदार्थों से मुक्त प्राकृतिक कृषि का अभ्यास कर रहे हैं। जबकि डांग जिला पूरी तरह से जैविक खेती बन गया है, बारडोली तालुका के किसानों को जैविक कृषि की ओर मोड़ने के लिए अब तक 16,529 किसानों को प्राकृतिक कृषि में प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने विवरण दिया कि 200 लाभुकों को बीज किट तथा 292 लाभुकों को कृषि से संबंधित 57.73 लाख रुपये की सहायता दी गयी

प्रभुभाई अहीर को सरकार की किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत तीन लाख रुपये की ब्याज मुक्त सहायता मिल रही है

सूरत।

केंद्र सरकार ने छोटे और सीमांत किसानों को आसानी से ऋण सहायता प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना लागू की है. जो किसानों को बहुत कम दस्तावेजों के साथ बैंकों से वित्त प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

सूरत जिले के बारडोली तालुक के अकोटी गांव के प्रभुभाई अहीर को खेती के लिए वित्तीय मदद की जरूरत थी। लेकिन सरकार की किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से उन्हें 3 लाख रुपये की वित्तीय ऋण सहायता मिली है।

वह आगे कहते हैं, 'मुझे किसान क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी

हमारे ग्राम सेवक से मिली। मुझे सरकार से दो बार वित्तीय सहायता मिल चुकी है। जिससे मैंने वर्ष 2020-21 में कृषि हेतु खाद, बीज, सिंचाई एवं कृषि आदान सामग्री खरीदी। फिलहाल मुझे साल 2023 में दोबारा लोन मिला हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उन्होंने लोन से एक लैंड लेजर मशीन भी खरीदी है. इस मशीन से जमीन को शून्य स्तर बनाने में काफी मदद मिली है. किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण ब्याज मुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की सहायता योजना हम जैसे मध्यम वर्ग के किसानों के लिए वरदान बन गई है. हमने उसके लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।'

अलीमा ने मेहसाणा में भारत की अत्याधुनिक हीट एक्सचेंजर सुविधा का निर्माण किया

अलीमा उन्नत स्टेनलेस स्टील्स, विशेष मिश्र धातुओं और औद्योगिक हीटिंग के उच्च मूल्य वर्धित उत्पादों के क्षेत्र में अग्रणी निर्माता है। कंपनीने 2019 की शुरुआत में भारत में अपनी मेहसाणा विनिर्माण सुविधा का विस्तार शुरू किया। परियोजना का अंतिम चरण हाल ही में पूरा हुआ और अब यह पूरी क्षमता से शुरु हो चूकी है। नई हीट एक्सचेंजर ट्यूब फैक्ट्री के औपचारिक लॉन्च के साथ, नई सुविधा रसायन और पेट्रोकेमिकल के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण संचालन के लिए हीट एक्सचेंजर ट्यूब जैसे अनुप्रयोग ट्यूबिंग में उन्नत मिश्र धातु का उत्पादन करने के लिए विनिर्माण इकाई की क्षमता में काफी वृद्धि करेगी।

भारत वर्तमान में एक वैश्विक आर्थिक उज्वल स्थान के रूप में खड़ा है, जो विभिन्न क्षेत्रों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। यह वृद्धि रासायनिक और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण घरेलू मांग को बढ़ा रही है, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बदलाव और उत्पादन के स्थानीयकरण की ओर बढ़ता बदलाव आशास्पद है।

आज, अलीमा ने आधिकारिक तौर पर गुजरात के मेहसाणा स्थित अपनी मिल में एक अत्याधुनिक हीट एक्सचेंजर सुविधा शुरू की। नई सुविधा एलिमा को भारत के रसायन और पेट्रोकेमिकल, नवीकरणीय और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च मूल्य वर्धित ट्यूबों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हीट एक्सचेंजर टयूबिंग में स्थानीय रूप से उन्नत मिश्र धातुओं का निर्माण करने में सक्षम बनाएगी। यह एशिया के अन्य हिस्सों में निर्यात के लिए उत्पादन आधार के रूप में भी काम करेगा। भारत में एलिमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि, क्योंकि मेहसाणा मिल ने इस साल की शुरुआत में अपनी हाइड्रोलिक

और इंस्ट्रूमेंटेशन (एच एंड आई) सुविधा के पूरा होने के साथ, उत्पादन क्षमता और बुनियादी ढांचे में अपना तीन चरण का विस्तार पूरा कर लिया है। 2019-2023 के बीच कुल निवेश 180 मिलियन स्वीडिश क्रोना है।

"मेहसाणा मिल भारत और एशिया में अपने पदचिह्न का विस्तार करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण सुविधा है। हमारी विकास रणनीति के हिस्से के रूप में, हम अपने एप्लिकेशन टयूबिंग उत्पादों के लिए बढ़ते बाजार की सेवा करने की क्षमता बढ़ा रहे हैं। आज, हम प्रीमियम सेगमेंट में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक हैं। हम रासायनिक और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों के बुनियादी ढांचे के विस्तार, रिफाइनरी विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि के कारण बढ़ती मांग देख रहे हैं। यह निवेश हमारी स्थिति को बनाए रखने और क्षेत्र में निरंतर लाभदायक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन होगा", अलीमाके अध्यक्ष और सीईओ गोरान ब्योर्कमैन कहते हैं।

"अलिमा की मेहसाणा मिल एशिया प्रशांत क्षेत्र में हमारे विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2019 में, हमने विकास बाजारों में अपनी क्षमता और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक पहल शुरू की, जिसका समापन भारत के लिए तीन चरण के विस्तार में हुआ, जिसमें कोल्ड फिनिशिंग हीट एक्सचेंजर्स भी शामिल हैं। ट्यूब विनिर्माण लाइन जो 2020 में खुली। एच एंड आई ट्यूबिंग फैक्ट्री मार्च 2023 में, और अब इसमें एक बिल्कुल नई हीट एक्सचेंजर ट्यूब सुविधा है। इस विस्तार से हीट एक्सचेंजर ट्यूब की क्षमता बढ़ेगी और उभरते विकास के अवसरों को भुनाने के लिए उन्नत मिश्र धातुओं का उत्पादन करने की क्षमता बढ़ेगी। अगले दशक में भारत के रासायनिक और पेट्रोकेमिकल उद्योगों में उभरने के कई अवसर हैं। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में संक्रमण की सुविधा भी प्रदान करेगा और हमें भारत में स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों की बढ़ती मांग से अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा," कार्ल वॉन शान्त्ज़ कहते हैं, वह ट्यूब डिवीजन के अद्यक्ष है

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)